

**ट्रंप को गंभीर
परिणाम भुगतने
होंगे : ईरान**

तेहरान, 22 जून (एजेंसियाँ)।
अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों पर किए गए हमलों के बाद ईरान ने अमेरिका को धमकी दी है कि ईरान ने कहा है कि ट्रंप क अपनी इस गलती के परिणाम भुगत होंगे। ईरान के विदेश मंत्री साईद अब्बास अराघची ने ईरान के परमाणु सुविधाओं पर हवाई हमले करने के लिए अमेरिका की निंदा की है। उसे अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का गंभीर उल्लंघन बताया। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका पर शांतिपूर्ण परमाणु प्रविष्टिष्ठानों के निर्माण बनाकर आपाधिक व्यवहार करने का आरोप लगाया।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, आप
 मुहम्मद की घटनाएं अपमानजनक हैं
 मुसलमानों के गंभीर और असमी घातक
 प्रतिक्रिया होंगी। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक
 सदस्य को इस बेहद खतरनाक
 कानून विरोधी और अपराधिव्यवहार
 से चिंतित होना चाहिए। वैश्विक
 समुदाय से इस पर ध्यान देना
 का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा
 कि वाशिंगटन की ओर से यह
 खतरनाक और कानून विहीन
 कार्रवाइयों से संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक
 सदस्य को चिंतित होना चाहिए।
 संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत प्राधान्य
 का हवाला देते हुए आपराधन ने य
 भी कहा कि ईरान के पास आत्मरक्ष
 का अधिकार है। वह इसके प्रयो
 के लिए स्वतंत्र है। ईरान के पास ऐ
 सभी वित्कप सुरक्षित हैं। संयुक्त रा
 चार्टर और इसके प्राधान्य आत्मरक्ष
 में वैध प्रतिक्रिया की अनुमति दे
 हैं, ईरान अपनी संप्रभुता, हित और
 लोगों की रक्षा के लिए सभी वित्क
 सुरक्षित रखता है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान
 के राजदूत ने रविवार को ईरान और
 खिलाफ किए गए घृणित हमलों के
 बल के अवैध उपयोग ▶ 10 पर

अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान पर किया जोरदार हमला

ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर बरसाए बम

वाशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव, 22
जून (एजेंसियां)।

इजराइल और ईरान के युद्ध में अमेरिकी भी सीधे तौर पर शामिल हो गया है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर बंकर बस्टर बम बरसाए। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान के ये तीनों परमाणु केंद्र ध्वस्त कर दिए गए हैं। इरमैई परमाणु का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु केंद्र फोर्डो था। इन परमाणु केंद्रों पर अमेरिका ने 30,000 पाउंड वजनी छह बंकर बस्टर बमों से हमला बोला। सैलैलाइट तस्वीरों से भी पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान को फोर्डो परमाणु केंद्र भूमितान था और एक पहाड़ के नीचे स्थित था और अमेरिका ने अपने बनी 2 स्टील बॉम्बर से यहां हमला किया। यह हमला बंकर बस्टर बमों से किया गया, जिससे परमाणु केंद्र को भारी नुकसान होने की आशंका जताई गई। अब सैलैलाइट तस्वीरों से भी इसकी पुष्टि हो गई है।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र जिस पहाड़ में मौजूद था, उसे भी अमेरिकी हमले में नुकसान हुआ है। हमले में परमाणु केंद्र के एंटी पॉड टबाह हो गए हैं, जिससे ईरान को परमाणु केंद्र तक पहुंचने और नुकसान का आकलन करने के लिए काफी मशक़त करनी होगी। फोर्डो परमाणु केंद्र एक पहाड़ को काटकर उसके नीचे बनाया गया था। यहाँ परिसर 80-90 मीटर था। इस केंद्र में यूरेनियम संवर्धन के लिए 2700 सेंटीग्रिड होने का दावा किया जा रहा है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन में सक्षम है। परमाणु बम बनाने के लिए 90 प्रतिशत तक यूरेनियम



- ➡ 30,000 पाउंड के 6 बंकर-बस्टर बम लेकर 37 घंटे उड़े लड़ाकू विमान
- ➡ ईरान के फोर्डो, नतांज, इस्फाहान परमाणु केंद्रों को नष्ट करने का दावा
- ➡ सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा: फोर्डो परमाणु केंद्र को हुआ भारी नुकसान
- ➡ अमेरिका ईरान ने एक-दूसरे को दी धमकी, हमले तेज होने की आशंका

संवर्धन की जरूरत होती है। यहां हफ्तों में नौ परमाणु हथियार बनाने में संवर्धित युरेनियम से ईरान महज तीन सक्षम था। ईरान के परमाणु केंद्र पर

हमले के बाद अपने बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरा

ईरान के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से कहा, शांति के लिए पहल करें

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां): इराक-ईरान-अमेरिका-ईरान युद्ध की ताजा स्थितियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की। भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हालिया घटनाक्रमों पर गंभीर चर्चा की। ईरान के राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापना के लिए पहल करने की अपील की। इस बातचीत के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और हालिया तनावों पर गहरी चिंता साझा की। तनाव को शीघ्र कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शीघ्र बहाल हो सके। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से ही बल मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान हैं। ईरानी परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था।

**पश्चिम एशिया में तनाव के चलते
भारत ने अपनाई खास रणनीति**

नई दिल्ली, 22 जून (एएसिया)। ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका के शामिल होने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ना तय है और इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर होगा। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका है। भारत ने हालात को भांपते हुए जून माह में रूस से तेल आयात बढ़ा दिया है। भारत ने जून महीने में रूस से इतना तेल खरीदा है, जो पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों से खरीदे गए कुल कच्चे तेल से भी ज्यादा है।

वैश्विक व्यापार विश्लेषक फर्म कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने जून महीने में रूस से 20-22 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चे तेल की खरीद की है। यह बीते दो साल में सबसे ज्यादा है। मई माह में भारत ने रूस से तकरीबन 11 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चा तेल खरीदा था। भारत पहले रूस से अपनी जरूरत का महज एक प्रतिशत तेल ही आयात करता था, लेकिन अब इसमें भारी बढ़ोतरी हुई है और

अब भारत अपने कुल तेल आयात का 40-44 प्रतिशत तेल रूस से मंगाता है। साफ है कि जून में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के चलते भारत ने अपनी आयात रणनीति में बदलाव किया है। भारत ने जून माह में ईराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत से कुल करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन तेल की खरीद की है। हालांकि तनाव बढ़ने से तेल के दाम बढ़ सके हैं। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर



जून में भारत ने हर रोज खरीदा 20-22 लाख बैरल

कूल तेल आयात का 40-44% तेल रूस से आता है

अमेरिका इजराइल के साथ उसके युद्ध में शामिल हुआ त

वे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हमले करेंगे। भारत का 40 प्रतिशत तेल अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुँचता है। ईरान के समर्थन में ह्यू विद्रोही भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना सकते हैं। जिससे खाड़ी देशों से तेल आयात को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यही वजह है कि भारत ने खाड़ी देशों पर अपनी तेल निर्भरता को घटाय़ा है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक है और पूर्व में भारत अपने तेल आयात का अधिकतर हिस्सा खाड़ी के देशों से आयात करता था, लेकिन रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद, जब रूस ने भारत को तेल खरीद पर भारी रियायतें दी तो भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया। अब भारत अपने तेल आयात के लिए खाड़ी देशों पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि अब हम रूस के साथ ही अमेरिका, लैटिन

अमेरिकी देशों से भी कच्चे तेल की खरीद कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका से हमें तेल आयात महंगा पड़ता है। कैपेलर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने जून में अमेरिका से हर दिन 4.39 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद करी की, जबकि पूर्व में यह आंकड़ा 2.80 लाख बैरल प्रतिदिन था। भारत करीब 51 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद करता है, जिससे भारत की रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल अलग किया जाता है।

भारत ने रूस से बढ़ाया कच्चे तेल का आयात

पहलगाम में
आतंकियों को शरण
देने वाले दो गिरफ्तार

जम्मू, 22 जून (ब्यूरो)।
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले के अजामा देने वाले आतंकियों व हमले देने वाले दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान पहलगाम के बटकोट के रहने वाले परवेज अहमद जोध और पहलगाम के हिल पार्क के रहने वाले बशीर अहमद जोधर के रूप में हुई है। इन्होंने हमले में शामिल तीन आतंकियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि है कि वे प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे। जांच में पाया गया कि परवेज और बशीर हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसम ड्रोक (झोपड़ा) में तीन हथियारबंद आतंकियों को शरण दी थी। दोनों लोगों ने आतंकियों को खाना, आश्रय और रसद की मदद की थी। उन्हीं आतंकियों ने हिंदू पर्यटकों व चुन-चुन कर मार डाला था। आतंकियों व शरण देने वाले दोनों देशद्रोहियों को गैरकानूनी प्रतिविधियों (रोकथाम) अधिनियम, 1968 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार **19**

कांग्रेस राजकुमार ने मेक इन इंडिया को कह दिया असेम्बल इन इंडिया

भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता से चिढ़ते क्यों हैं राहुल गांधी!



वातानुकूलित कमरों से निकलते हैं तो बाहर निकल

શુભ-લાભ સમીક્ષા

कर किसी प्रायोजित दुर्ख
इंसान को पकड लेते हैं और

झूठे आंकड़ों के साथ फैला रहे देश विरोधी प्रोपेगेंडा

▶ **10** पर

नक्सलवाद को जड़ से खत्म करके ही रहेंगे : अमित शाह

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)।
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह दृ-
ष्टिकोण दोहराया कि नक्सलवाद को जड़-
खत्म करने ही रहेंगे। अमित शाह ने गिर-
फ्तों को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर
राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय
(एनएफएसयू) परिसर और केंद्रीय फॉरेंसिक
विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रख-
ते केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, एक समय भयाव-
ह हेंसा और लाल आतंक का कोई स्थान ना-
ही। इसीलिए, हमने नक्सलवाद को जड़-
समाप्त करने का संकल्प लिया है और इ-
स पर कर के ही रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के पुलिस महानिदेशकों, अपर पुलिस महानिदेशकों और पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। कल वे नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई के लिए सुसज्जित जवानों से भी मुलाकात करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को खत्म कर दिया जाएगा।

जनता में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, चिंता का कोई कारण नहीं है। सीएनएनएल के प्रबंध निदेशक द्वारा जारी स्पष्टीकरण में कहा गया है कि जलाशय में ताजा जल प्रवाह हो रहा है और गन्दगी के कारण नियोजित मरम्मत कार्य अक्टूबर-नवंबर के दौरान शुरू होगा।

क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को वैज्ञानिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक दिन : अमित शाह

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार के नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा, आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरुआत की गई है। कुल 268 करोड़ रुपये की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिस्कोरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्स प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे।

श्री शाह ने कहा कि इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिस्कोरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जांच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। उन्होंने बताया कि अब फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी। गृह मंत्री ने आई-हब की स्थापना को लेकर कहा कि यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड़ने, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है, और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने



दोष सिद्धि दर में विश्व के अग्रणी देशों में शामिल होगा भारत

की संभावना है। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हुए हैं, जिससे रोजगार, राजस्व और औद्योगिक संस्कृति को बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री मंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक गति दी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि वर्षा ऋतु में भी सुरक्षा बल सक्रिय हैं और नक्सलियों को चैन से रहने नहीं दे रहे। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होने की अपील की।

उन्होंने कहा कि एनएफएसयू का स्थायी परिसर तीन वर्षों में पूर्ण रूप से विकसित होगा, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए फॉरेंसिक क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार के तहत एनएफएसयू से स्नातक करना रोजगार की गारंटी बनेगा। साथ ही देशभर में लागू हुए नए तीन आपराधिक कानूनों के संदर्भ में श्री शाह ने कहा कि इनका उद्देश्य है - तीन वर्षों के भीतर न्याय सुनिश्चित करना, और विज्ञान आधारित साक्ष्यों पर आधारित आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना करना। उन्होंने बताया कि अब सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य कर दी गई है। सभी थानों को सीसीटीवनएस से जोड़ दिया गया है, जिससे राज्य सरकारें जांच और निगरानी की प्रक्रिया में

तकनीकी रूप से दक्ष हो सकेंगी। यह बदलाव न केवल न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा, बल्कि भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सजा सुनिश्चित करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में ले आएगा।

श्री शाह ने यह भी बताया कि देशभर में एनएफएसयू के 16 परिसरों की स्थापना हो चुकी है और 10 अन्य प्रस्तावित हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एक हालिया सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 तक फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी का वैश्विक बाजार 55 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा और उसमें भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। श्री साय ने कहा कि यह दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि आज एक साथ तीन महत्वपूर्ण संस्थानों की नींव रखी गई है जो प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनएफएसयू विश्व का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जो फॉरेंसिक साइंस, साइबर सुरक्षा, व्यवहार विज्ञान जैसे विषयों के अध्ययन के लिए पूर्णतः समर्पित है। इसका रायपुर परिसर नवा रायपुर को एक उभरते हुए राष्ट्रीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह संस्थान न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान का सशक्त आधार बनेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बंजारी, नवा रायपुर में विश्वविद्यालय के लिए 40 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है और ट्रांजिट कैम्प को

समय पर तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कैम्प में फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी सहित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। साइबर क्राइम, सड़क दुर्घटना विश्लेषण, मादक पदार्थों की जांच जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण से राज्य की कानून व्यवस्था को बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में लगभग एक सदी बाद तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं। एनएफएसयू जैसे संस्थान इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु पुलिस बल एवं जांच एजेंसियों को आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करा रही है, जिसकी सतत निगरानी भी की जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आई-हब छत्तीसगढ़ के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार की दुनिया से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। इसमें को-वर्किंग स्पेस की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो नवाचार को प्रोत्साहित करेंगी। श्री विजय शर्मा ने कहा कि एनएफएसयू का रायपुर परिसर न केवल प्रशिक्षण बल्कि फॉरेंसिक अनुसंधान और इन्वेस्टिगेशन में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह संस्थान न केवल पढ़ाई, शोध, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र बनेगा बल्कि भारत में ही फॉरेंसिक साइंस से जुड़े उपकरणों के नवाचार और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह सपना माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएफएसयू के लिए जमीन आवंटित की है और निर्माण कार्य भी शीघ्र आरंभ होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस परिसर में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, और यह फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी एवं विभिन्न शॉर्ट टर्म कोर्सेस में युवाओं को दक्ष बनाएगा।

पुलिस नक्सली मुठभेड़, सात माओवादियों के शव बरामद



जगदलपुर, 22 जून (एजेंसियां)।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में जून 2025 के पहले पखवाड़े के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए सघन माओवादी विरोधी अभियानों की श्रृंखला में माओवादी कैडरों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ों के बाद सात माओवादियों के शव बरामद किए गए।

बरामद शवों में दो शीर्ष माओवादी नेताओं गौतम उर्फ सुधाकर ,भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य एवं भास्कर राव , भाकपा (माओवादी) स्टेट कमिटी सदस्य शामिल हैं। पुलिस के रविवार के जारी

बयान के अनुसार बरामद अन्य शवों में से एक की पहचान महेश कोडियम के रूप में की गई, जो बीजापुर जिले के फरसगढ़ थाना अंतर्गत इरपागुड़ा गांव का निवासी था।

मृत महेश कोडियम के शव का पंचनामा किए जाने के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वह नेशनल पार्क क्षेत्र डिवीजन के अंतर्गत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन का पार्टी सदस्य था और उसकी संलिप्तता इस अवैध संगठन से थी। यह भी सामने आया है कि महेश कोडियम इरपागुड़ा गांव के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था।

उसका चयन गांव की विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा किया गया था और मार्च 2025 तक उसे भुगतान किया जा रहा था।

यह अभी जांच का विषय है कि महेश कोडियम किन परिस्थितियों में केंद्रीय समिति सदस्य गौतम, राज्य समिति सदस्य भास्कर जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के संपर्क में आया। इस पूरे मामले की हर पहलू से गंभीर, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच की जा रही है।

पुलिस एक बार पुनः माओवादी संगठन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों से अपील करता है कि वे इस प्रतिबंधित और अवैध संगठन से तत्काल संबंधविच्छेद करें। पुलिस ने यह भी कहा कि माओवादी संगठन से जुड़ाव न केवल समाज और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि स्वयं संबंधित व्यक्ति के जीवन तथा भविष्य के लिए भी घातक सिद्ध भी हो सकता है।

दो पाटों पर अमरनाथ यात्रा

व्यवस्था सीएम करेंगे और सुरक्षा एलजी

जम्मू, 22 जून (एजेंसियां)। इस बार जिस अमरनाथ यात्रा पर कश्मीर की अर्थ व्यवस्था और पर्यटन का दारोमदार बताया जा रहा है उस पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विवाद का कारण यह है कि इस यात्रा को डबल इंजन की व्यवस्था से जुझना होगा। इसके लिए अगर व्यवस्था की जिम्मेदारी उमर सरकार के ऊपर है तो सुरक्षा का भार उपराज्यपाल प्रशासन के पास। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है कि अमरनाथ यात्रा के लिए उनकी सरकार ने सभी आवश्यक सुविधाओं का प्रबंध कर दिया है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी राजभवन और

उपराज्यपाल की है। अमरनाथ यात्रा पर आतंकी खतरे के संदर्भ में सीएम ने कहा, उन्होंने (एलजी) सुरक्षा का इंतजाम किया होगा। गंटरबल में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले श्रद्धालु शांत और विश्वासपूर्ण वातावरण में अपनी यात्रा पूरी कर सुरक्षित अपने घरों को लौटेंगे। पूरा कश्मीर उनके स्वागत के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में कानून व्यवस्था और सुरक्षा मामलों की जिम्मेदारी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास है। जम्मू कश्मीर पुलिस मौजूदा परिस्थितियों में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। सुरक्षा

मामलों में मौजूदा निर्वाचित सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित सरकार की हमारी जो जिम्मेदारी थी, उसके मुताबिक बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा, स्वच्छता, खाद्य सामग्री, परिवहन समेत सभी प्रबंध किए जा चुके हैं। पिछले दिनों उप राज्यपाल मनोज सिन्हा यह स्पष्ट कर चुके हैं कि प्रदेश में सिर्फ पुलिस ही उनके अधिकार में है। तो ऐसे में क्या अन्य केंद्रीय सुरक्षा बल और सेना की तैनाती का जिम्मा और उनकी सेवाएं किसके पास रहेगी यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

उत्तराखंड में 227 अवैध मदरसे सील किए गए



देहरादून, 22 जून (एजेंसियां)। कॉर्बेट सिटी रामनगर, नैनीताल जिले में अवैध मदरसों के खिलाफ धार्मिक सरकार की सीलिंग की कार्रवाई लगातार जारी है। डीएम वंदना सिंह के निर्देश पर गठित एसडीएम रामनगर की टीम ने दो अवैध मदरसों को सील किया है। नैनीताल जिले में अवैध मदरसों को संचालित करने वाले इंतजामिया कमेटी के सदस्यों को पूर्व में नोटिस दिया जा चुका था। रामनगर

एसडीएम प्रमोद कुमार के नेतृत्व में जांच पड़ताल के लिए गुछरघटी क्षेत्र में चल रहे दो अवैध मदरसे सील कर दिए गए, जबकि तीन मदरसों ने नोटिस मिलने के बाद अपना संचालन बंद कर दिया था। नैनीताल की डीएम वंदना सिंह के मुताबिक, जिन अवैध मदरसा संचालकों ने नोटिस दिए जाने के बाद अपना संचालन बंद कर दिया था। उन पर भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि

वैध रूप से चल रहे मदरसों की भी जांच पड़ताल जारी है और इनमें अवैध मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों प्राइमरी स्कूल में अथवा वैध मदरसों में शिक्षा के लिए दाखिला कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मदरसों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम पढ़ाया जाना, फंड जुटाने की जानकारी देना और बच्चों के स्कूल के तय मानकों के अनुसार संचालन की अनुमति दी जा सकती है। जानकारी के अनुसार, नैनीताल जिले में अभी तक 26 अवैध मदरसे सील किए जा चुके हैं, जबकि उत्तराखंड में 227 अवैध मदरसों पर धार्मिक सरकार ताला जड़ चुकी है। प्रशासन ने बताया कि अब तक उधम सिंह नगर में 66 मदरसे सील किए गए। इसके अलावा हरिद्वार में 88, देहरादून में 44, पौड़ी में 02, नैनीताल में 26 और अल्मोड़ा में 01 मदरसा सील किया गया।

बढ़ते संघर्ष के बीच कश्मीर के छात्रों सहित 311 भारतीय नागरिक ईरान से सुरक्षित लौटे



नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान में फंसे 300 से ज्यादा भारतीय नागरिकों, खास तौर पर छात्रों को लेकर महान एयर की एक फ्लाइट (डब्ल्यू 50071ए) रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी, जिससे सैकड़ों परिवारों, खास तौर पर जम्मू-कश्मीर में, के लिए गहन चिंता और भावनात्मक उथल-पुथल

का दौर खत्म हो गया। यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। निकाले गए लोगों में कश्मीर के 200 से ज्यादा छात्र शामिल थे, जो ईरान में पढ़ रहे थे और इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष में फंस गए थे। उनके वापस आने से उन

चितित रिश्तेदारों को राहत मिली, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता से भरी रातों की नींद हाराम कर रहे थे। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर अपडेट साझा करते हुए क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष की बारे अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने

गडकरी ने हिंदुत्व को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना



नागपुर, 22 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हिंदुत्व की गलत व्याख्या करने पर विपक्षी कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. उद्य न्तिगुडकर की ओर से शनिवार की रात यहां आयोजित सार्वजनिक साक्षात्कार में श्री गडकरी ने स्पष्ट किया कि भगवा झंडा लेकर सड़कों पर उतरना या कुछ कार्य करना हिंदुत्व नहीं है, बल्कि यह मूल्य आधारित जीवन शैली है। उन्होंने कहा, हम पूजा के दौरान विश्व कल्याण की भी प्रार्थना करते हैं। विविधता में एकता और सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता ही भारतीयता का सच्चा स्वरूप है। यही हिंदुत्व है।

वर्ष 2029 में होने वाले आगामी लोकसभा चुनावों में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर श्री गडकरी ने कहा, हमने 11 वर्षों में जो देखा वह सिर्फ एक ट्रेलर था और असली फिल्म अभी शुरू होनी है।

सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले सड़कों का होगा उन्नयन : फडणवीस

नागपुर, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले नासिक को जोड़ने वाली सभी सड़कों का उन्नयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि नासिक को जोड़ने वाले राजमार्गों के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई। बयान में कहा गया है कि नासिक में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और विशाल समागम के दौरान यातायात प्रबंधन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गडकरी ने अपने मंत्रालय के माध्यम से आवश्यक सड़क अवसंरचना के विकास और निर्माण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को त्र्यंबकेश्वर और नासिक के रामकुंड में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रद्धालुओं



की बढ़ती आस्था और कुंभ मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में अपेक्षित वृद्धि का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया था।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि तदनुसार, गडकरी और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नागपुर में मुख्यमंत्री कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई और ये निर्णय लिया गया।

जानें क्या है मयूरासन और इसके लाभ



मयूरासन यानी मयूर की तरह किया जाने वाला आसन। योगा में यह वह आसन है जिसमें आपका शरीर मयूर की तरह दिखाई पड़ता है। इस आसन को करने के लिए बहुत सावधानियां बरतने की आवश्यकता होती है। इस आसन में शरीर का पूरा भार हाथों पर टिका होता है और शरीर हवा में लहराता है। मयूरासन के भी कई लाभ हैं। लेकिन सवाल ये उठता है कि मयूरासन कैसे किया जाए। मयूरासन के लाभ क्या हैं। मयूरासन करने की विधि क्या है। मयूरासन कब करना चाहिए। इत्यादि सवालों के जवाब जानने के लिए यह जानना जरूरी है कि मयूर आसन क्या है।

मयूरासन करने की विधि

मयूरासन खुली हवादार जगह में करना चाहिए। इसके लिए आप सबसे पहले घुटनों के बल बैठ जाएं और आगे की ओर झुके। आगे झुकते हुए दोनों हाथों की कोहनियों को मोड़कर नाभि पर लगाकर जमीन पर सटा लें। इसके बाद अपना संतुलन बनाते हुए घुटनों को धीरे-धीरे सीधा करने की कोशिश करें। अब आपका शरीर पूरी सीध में है और सिर्फ आपके हाथ जमीन से सटे हुए हैं। इस आसन को करने के लिए शरीर का संतुलन बनाए रखना जरूरी है जो कि पहली बार में संभव नहीं। यदि आप रोजाना मयूर आसन का अभ्यास करेंगे तो आप निश्चित तौर पर आसानी से इसे कर पाएंगे।

मयूरासन के दौरान सावधानी

मयूरासन करता हुए बहुत सावधानी की जरूरत पड़ती है, इसीलिए आप जब भी मयूरासन करें तो किसी योग एक्सपर्ट की देखरेख में करें या फिर पहले इस आसन को करने की विधि को अच्छी तरह से जानें। तभी आप मयूर आसन को सही तरह से कर पाएंगे और इसका भरपूर लाभ उठा पाएंगे।



मयूरासन के लाभ

- मयूरासन के कई लाभ हैं। आमतौर पर मयूरासन से गुर्द, अनास्थ और आमाशय के साथ ही एकत इत्यादि को बहुत लाभ होता है।
- वेहरे पर चमक लाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। मयूरासन करने से हाथ, पैर व कंधे की मांसपेशियों में मजबूती आती है। जिन लोगों को बहुत अधिक कब्ज रहती है उनके लिए मयूरासन से बढ़िया कोई उपाय नहीं। मधुमेह के रोगियों के लिए भी यह आसन लाभकारी है।
- यदि आपको आंखों संबंधी कोई समस्या है तो उसका निदान भी मयूरासन से किया जा सकता है।
- पाचन क्रिया को सुचारु रूप से चलाने के लिए मयूरासन करना चाहिए। यदि आपको पेट संबंधी समस्याएं जैसे गैस बनना, पेट में दर्द रहना, पेट साफ ना होना इत्यादि होता है तो आपको मयूरासन करना चाहिए।
- सामान्य रोगों के अलावा मयूर आसन से आंतों व अन्य अंगों को मजबूती मिलती है। मयूरासन से आमाशय और मूत्राशय के दोषों से मुक्ति मिलती है।

किसे नहीं करना चाहिए

- आमतौर पर मयूरासन उन लोगों को करने के लिए मना किया जाता है जो उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हैं।
- टी.बी. यानी तपेदिक के मरीजों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए।
- हृदय रोग या हार्ट की बीमारियों से ग्रसित लोगों को भी मयूरासन नहीं करना चाहिए। अतसर और हर्निया रोग से पीड़ित लोगों को भी मयूरासन करने से बचना चाहिए।

दाढ़ी मूँछ के भी हैं ढेरों फायदे



आप विश्वास नहीं करेंगे लेकिन वैज्ञानिक तक मान चुके हैं कि दाढ़ी रखने से त्वचा का कैंसर नहीं होता। दरअसल सूर्य की अल्ट्रावाइलेट किरणें किन कैंसर का कारण बनती है। शोध के मुताबिक लोग दाढ़ी रखते हैं वे 90 फीसदी तक यूवी किरणों से अपने आपको बचाने में कामयाब रहते हैं। है ना स्किन कैंसर से बचने का बढ़िया उपाय। क्लीन शेव लोगों की तुलना में दाढ़ी मूँछ रखने वाले लोगों को अस्थमा और एलर्जी की शिकायत कम होती है। दरअसल प्रदूषित होते वातावरण में दाढ़ी मूँछ धूल और प्रदूषण को सीधे चेहरे और मूँह के संपर्क में नहीं आने देती। दाढ़ी और मूँछ के बाल छलनी की तरह काम करके प्रदुषित कणों को रोक लेते हैं। ये ठीक वही काम करती है जो आंखों के लिए पलक और नाक के बाल करते हैं। दाढ़ी मूँछ रखने वालों की स्किन आमतौर पर झाड़ नहीं मिलेगी। दरअसल दाढ़ी मूँछ होने से चेहरे पर रोजमर्रा की फेसक्रीम का दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। दाढ़ी मूँछ चेहरे को जवान बनाए रखते हैं क्योंकि इससे त्वचा पर नमी बनी रहती है। दाढ़ी मूँछ रखने वाले लोग चेहरे से आमतौर पर जवान दिखते हैं क्योंकि उनकी दाढ़ी मूँछ उनके चेहरे पर पड़ने वाली झुर्रियों को छिपा लेती हैं। रोज रोज शेव करने से स्किन कटने फटने का डर रहता है और त्वचा पर संक्रमण का भी खतरा रहता है लेकिन दाढ़ी मूँछ रखने से ये झंझट और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहता।



हर ख्वाहिश पर दम निकले...

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला सात महीने में तीसरी बार भारत की विजिट पर आए हैं। वे सोमवार को दिल्ली में माइक्रोसॉफ्ट के इवेंट में ऐड्रेस करने पहुंचे। गालिब के शेर से शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जब आप दुनिया को देखने का नजरिया बदल लेते हैं, तो आप दुनिया को भी बदल पाते हैं। एक वाक्ये का जिक्र करते हुए सत्या ने गालिब का शेर पढ़ा-**हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाहिश पर दम निकले, बहुत निकले मेरे अरमां मगर फिर भी कम निकले।** उनके इस अंदाज पर काफी देर तक हाल तालियों से गुंजता रहा। उन्होंने गालिब का यह शेर जिस भी संदर्भ में सुनाया हो लेकिन यह शेर आज के दौर में देश के युवाओं के लिए कुछ खास है। भारत में दुनिया की सबसे ज्यादा युवा आबादी बसती है। इस देश में करीब 30.56 करोड़ युवा बसते तो हैं लेकिन शायद बहुत कम युवाओं की ख्वाहिशें पूरी हो पाती हैं। यहां हम युवाओं की व्यक्तिगत ख्वाहिशों की बात नहीं कर रहे। यहां युवाओं की समग्र ख्वाहिशें हैं। आज देश का युवा आजादी चाहता है। यही उसकी ख्वाहिश है। आइए देखते हैं किन मुद्दों से भारतीय युवा को आजादी चाहिए...

जबरन करियर से आजादी

देश के ज्यादातर युवा इस मुश्किल से जूझ रहे हैं। 18 साल की उम्र तक पहुंचते ही उन पर करियर को लेकर सवालों की झड़ी लगा दी जाती है और आखिर में उन पर जबरन कुछ भी थोप दिया जाता है। ज्यादातर मां-बाप बच्चे की ख्वाहिश पूछे बिना ही उसे इंजीनियर या डॉक्टर बनने के लिए मजबूर करते हैं।

ऑनर किलिंग से आजादी



देश के कई हिस्सों में खाप जैसी पंचायतों के तुगलकी फरमान युवाओं की इच्छा के आड़े आते हैं। खास तौर पर हरियाणा में खाप का असर ज्यादा है। जहां क्या सी बात पर लोग आत्म सम्मान के नाम पर युवक-युवतियों को मार देते हैं। कई मामलों में लड़के लड़की दोनों की हत्या कर दी कई। समलैंगिकता, प्रेम विवाह, अपनी मर्जी से लड़का या लड़की चुनना ये सारी बातें खाप के नियमों के खिलाफ मानी जाती हैं, जिनसे मुक्ति जरूरी है। यही नहीं, पुलिस भी ऐसे कामों में तुगलकी फरमान सुनाती है।

लिंग भेद से आजादी

लिंग भेद से आजादी ऐसी आजादी है जिसके लिए हर लड़की जन्म लेने के साथ ही लड़ना शुरू कर देती है। घर में ज्यादा तवज्जो न मिलने से लेकर अपनी मर्जी के कपड़े न पहन पाने तक, लड़कियों को कई सारी मुश्किलें झेलनी

पड़ती हैं। यहां तक कि शादी करने में भी उनकी पसंद का ख्याल नहीं रखा जाता।

अपने नजरिये की आजादी



लोकतंत्र में रहने के चलते हर किसी को अपना नजरिया रखने की आजादी होनी चाहिए लेकिन भारत ऐसा देश है जहां अपनी बात रखना आपके लिए मुसीबत बन सकता है। सोशल मीडिया ने इस वॉर को और बढ़ाया है। भीड़ से अलग हटकर अगर आप अपना नजरिया पेश करते हैं तो किसी न किसी राजनीतिक पार्टी या उसके समर्थकों के शिकार बन जाते हैं।

सुरक्षा की चिंता से आजादी

हर मां-बाप अपने बच्चे को सुरक्षित देखना चाहते हैं लेकिन वे इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि घर की चारदीवारी में कैद करके बच्चों को सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। खासकर लड़कियों के मामले में परिजन ज्यादा सख्त होते हैं। उनके घर से निकलने और घर लौटने के समय को लेकर वो ज्यादा चिंतित होते हैं क्योंकि उन्हें उत्पीड़न, अपहरण या हत्या जैसी वारदातों का डर सताता रहता है।

इस्तेमाल होने से आजादी

हर युवा अपने उज्ज्वल जीवन की ख्वाहिश रखता है। युवा जब देखता है कि केवल योग्यता और ईमानदारी से कार्य संभव नहीं, तो कुंठाग्रस्त होकर गलत रास्तों पर चल पड़ता है। निश्चित तौर पर ऐसे में ही समाज के दुश्मन उनकी भावनाओं को भड़काकर व्यवस्था के विरुद्ध विद्रोह के लिए प्रेरित करते हैं, फलतः अपराध और आतंकवाद का जन्म होता है। युवाओं को मताधिकार तो दे दिया गया है पर उच्च पदों पर पहुंचने और निर्णय लेने के उनके स्वप्न को दमित करके उनका इस्तेमाल नेताओं द्वारा सिर्फ अपने स्वार्थ में किया जा रहा है।



दोषारोपण से आजादी

युवा व्यवहार मूलतः एक शैक्षणिक, सामाजिक, संरचनात्मक और मूल्यपरक समस्या है जिसके लिए राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक सभी कारक जिम्मेदार हैं। ऐसे में समाज के अन्य वर्गों को भी जिम्मेदारियों का अहसास होना चाहिए, सिफ-4 युवाओं को दोष देने से कुछ नहीं होगा, क्योंकि

सवाल सिर्फ युवा शक्ति के भटकाव का नहीं है, वरन अपनी संस्कृति, सभ्यता, मूल्यों, कला एवम् ज्ञान की परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखने का भी है। युवाओं को भी ध्यान देना होगा कि कहीं उनका उपयोग सिर्फ मोहरों के रूप में न किया जाय।

ऑनलाइन रहना क्यों पसंद...?

इंटरनेट के माध्यम से अब दुनिया के किसी भी भाग से आसनी से संपर्क बनाया जा सकता है। लोग अब घर बैठे ही दुनियाभर में अपने दोस्त बनाने लगे हैं, और ऑनलाइन रहकर ही प्यार, डेंटिंग, और शादी के लिए जोड़े भी खोजे जाने लगे हैं। ऑनलाइन दोस्ती के बहुत से नुकसान भी होते हैं, जैसे आप जिससे दोस्ती कर रहें हैं वह वास्तव में अपने बारे में सारी बातें सच बता रहा है, या आपको धोखा देने के मकसद से झूठी बातें बता रहा है। आप उसे सामने से नहीं देख सकते इसलिए आप उसकी वास्तविकता भी नहीं जान सकते हैं। ऑनलाइन चैटिंग से होने वाले इन नुकसानों के बावजूद क्यों हम इसका इस्तेमाल करना जारी रखते हैं?

गुप्त नाम का फायदा

ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सबसे बड़ा फायदा है नाम को गुप्त रखने की आजादी। आप किसी भी नाम और किसी भी फोटो के साथ अपनी एक प्रोफाइल बना सकते हैं, कम्प्यूटर यह नहीं समझ पायेगा कि, आप झुठ बोल रहे हैं। आप किसी से या हर किसी से बात कर सकते हैं, और आपके वास्तविक जीवन की बुराई या कमियां जैसे, आपको क्या हैसियत है ,और आप की योग्यता आदि कुछ भी हो, कोई फर्क नहीं पड़ता।



दुनियाभर में पहुंच

बहुत से देशों में जहां लड़के लड़कियां आपस में मिल कर बात नहीं कर सकते, उन स्थानों में लोग बातें करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं, इस तरह से किसी एक देश में बैठा युवा दूसरे देश में अपने लिए दोस्त या जीवनसाथी की तलाश करके बातें कर सकता है।

सुविधाजनक

यूं तो यदि आपको किसी से मिलना है तो आपको अच्छे से तैयार होने की जरूरत होती है,और फिर किसी अच्छी जगह की तलाश करनी होती है आदि। लेकिन आपको ऑनलाइन चैटिंग के लिए सिर्फ एक इंटरनेट पैक और अच्छे ब्राउजर के अलावा ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। इसलिए लोग इन सब की तुलना में ज्यादा सुविधाजनक-ऑनलाइन चैटिंग को वरीयता देते हैं।

मशहूर ब्रांड नेम्स की कहानी...

जहां तक ब्रांड की बात है ब्रांड और कुछ नहीं होता है सिर्फ कंपनी की अपनी एक पहचान होती है। कुछ ब्रांड ऐसे भी हैं जो की कई कंपनियों के उत्पादों की पहचान बन गए हैं। क्या कभी आपने सोचा है की किसी भी ब्रांड का नाम आखिर कैसे बनाया जाता है और आज के मशहूर ब्रांड्स के नाम किस प्रकार से बनें हैं। नाईक एक मशहूर ब्रांड है। इसका नाम एक ग्रीक देवी के नाम पर पड़ा है जो की विजय की देवी मानी जाती है और इस ब्रांड का चिन्ह उनकी उड़ान का प्रतीक है। बात कोको कोला की करें तो पता चलता है कि असल में इस पेय पदार्थ की मुख्य सामग्री कोला बेरिज और कोको की पत्तियां है इसलिए ही इसको कोको कोला नाम दिया गया है। ऐसे ही पेप्सी नाम एक पाचक एंजाइम पेंप्सिन से लिया

गया है, हालांकि यह पेप्सी में नहीं होता है। एडिडास ब्रांड का नाम इसके मालिक और निर्माता अडोल्फ डैस्स्लर के नाम पर रख गया है असल में अडोल्फ का उपनाम एडि था। अमेजन ब्रांड के मालिक सीईओ जेफ बेजोस अपनी इस कंपनी का नाम ए शब्द से शुरू होने वाला ही रखना चाहते थे और वो चाहते थे की उनकी कंपनी में दुनिया का हर सामान बिके इसलिए उन्होंने इसका नाम चुनने के लिए उन्होंने सबसे बड़ी नदी का नाम चुना। सोनी ब्रांड का नाम लैटिन शब्द 'सोनस' से लिया गया है जिसका अर्थ होता है आवाज। वोडाफोन का मतलब आसान शब्दों में हैं वॉइस डाटा टेलीफोन है। नींविया ब्रांड नेम लैटिन शब्द 'निवेअस' से बना है जिसका अर्थ होता है बर्फ जैसा सफेद।

आधा घंटा बंद रखें स्मार्टफोन...



आज के दौर में स्मार्ट फोन हमारी जरूरत बन गया है। सभी युवाओं के पास स्मार्टफोन मौजूद हैं। इसके कई फायदे भी हैं। स्मार्टफोन से न सिर्फ हमें जरूरी जानकारियां मिल जाती हैं, बल्कि यह मित्रों को भी हमारे साथ जोड़े रखने का काम करता है। स्मार्ट फोन की कई खूबियों के बारे में तो हम जानते भी नहीं हैं। वहीं इस स्मार्ट फोन के कुछ नुकसान भी हैं। स्मार्टफोन के जानकारों का कहना है कि अगर स्मार्ट फोन को दिन में आधे घंटे भी बंद रखा जाए तो इससे कई सारे फायदे मिल सकते हैं। आज हम आपको इन्हीं फायदों के बारे में बता रहे हैं।

दिमाग को मिलेगा रेस्ट

दिमाग असल में कई कामों को करने में व्यस्त रहता है। इन कामों को करने में वह तेजी से थकता है। ऐसे में आप अपना स्मार्ट फोन करीब आधा घंटा बंद रख सकते हैं। इससे आपके दिमाग को भी रेस्ट मिलेगा और वह भी तेजी से काम कर सकेगा।

ओवरहीटिंग से बचेगा

कई बार हमारा स्मार्ट फोन ओवरहीट हो जाता है। इसके हीट होने के वैसे तो और भी कई कारण हो सकते हैं। आपका फोन जब भी ओवरहीट हो जाए ऐसी स्थिति में आपको इसे कुछ देर के लिए बंद कर देना चाहिए। यही आपके पास पहला विकल्प है। इसके बाद इसकी समस्या को कहीं पर दिखा लीजिए।

समाधान जल्दी

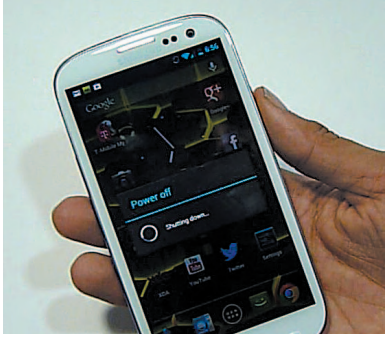
हर समय फोन से विपर्क रहने से दिमाग कई तरह की समस्या का समाधान सही तरीके से नहीं कर पाता है। ऐसी स्थिति में फोन से थोड़े समय की दूरी बनाना आपके लिए हर समस्या का हल ढूढ़ने के लिए बेहत हो सकता है। ब्रेन को आराम मिलने से यह सही ढंग से काम करने के काबिल हो जाता है।

काम में लगता है मन

एक रिसर्च में पाया गया है कि करीब 61 प्रतिशत लोग हर समय नोटिफिकेशन देखते रहते हैं। नोटिफिकेशन न आने की स्थिति में भी लोगों को लगता है कि कोई नोटिफिकेशन आया है। ऐसे में वह व्यक्ति अपने काम पर फोकस नहीं कर पाता। स्मार्ट फोन को बंद करने से काम पर फोकस हो पाता है और वह अच्छी तरह से किया जाता है।

रीबूट करने का फायदा

स्मार्टफोन कई बार हंग होने लगता है। कई सारी ऐप्स बैकग्राउंड पर चलने से और मैमोरी ज्यादा यूज होने के कारण फोन हंग करने लगता है। ऐसी स्थिति में आप अपना फोन रीबूट कर सकते हैं। रीबूट करने से फोन दोबारा से सही चलने लगता है।



साथियों का दबाव

जब ऑनलाइन प्लेटफार्म की शुरुआत हुई तो इसके फायदे तभी पता चले होंगे जब किसी ने पहली बार इसका उपयोग किया होगा। पहले तो हमें इसपर बात करने की आदत नहीं पड़ी थी। फिर इसका चलन बढ़ने के साथ साथियों का दबाव भी इस प्लेटफार्म का इस्तेमाल करने के लिए महसूस किया जाने लगा, और ये भी एक बड़ा कारण था कि युवा एक दूसरे को ऑनलाइन प्लेटफार्म का इस्तेमाल करते देख इसकी ओर आकर्षित होने लगे। अपनी उपलब्धियों और कहानियों को एक दूसरे से शेयर करने लगे। इस प्रकार एक यह ऐसा चक्र बन गया जो कभी कभी बहुत ज्यादा दोषपूर्ण बन जाता है। ऑनलाइन प्लेटफार्म के अधिक उपयोग से हम बिना किसी अनुशासन और नियंत्रण के चैटिंग करते हैं। जिससे हम असशय और अविवेकी बन सकते हैं। कई बार तो लोग किसी बहकावे में आकर उनका शिकार भी बन जाते हैं। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग करते समय हमें अधिक सतर्कता और संयम की आवश्यकता है।



संपादकीय

अमेरिका-पाकिस्तान का नजदीकी पर सवाल

अमेरिका

के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर की मुलाकात को कई तरह से देखा जा रहा है। विपक्षी दल, विपक्षक कांग्रेस इसमें भारत की कूचीनीतिक असफलता के रूप पर प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रपति मुझे पर जिस प्रकाश से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाती की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय जननीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पिछले जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। मरण करे कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान के-दूसरे के नजदीकी आताथे 1980-88 में अमेरिका राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन तकलीनी पाकिस्तानी गानेशाह जनरल जिवाउद हक को गले लगाया था। तब राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए।



पृथ्वी मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक पृथ्वी राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह दिनांक करेगी कि पंडित वावराहलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इरिा गांधी तक की विदेश नीति नसफल रही थी। क्योंकि पकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया उतना तो कभी नहीं दिया है। मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पकिस्तान एक-दूसरे के जदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिका राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने त्कालीन पकिस्तानी तानाशाह नजरन जियाउद्दइन हक को जले गमाया था। फिर राष्ट्रपति जोर्जे डब्ल्यू बुश ने भी जनरल पर इजज शरफ के साथ संबंध बढ़ाए।

थक कर रहे हैं। एक और बात इससे साफ होती है कि पाकिस्तान में मुनीर ही 'सुपर बॉस' हैं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो केवल दिखाने के हैं। मुनीर को चकर जतना में आक्रोश है। यह पहले सेनाध्यक्ष होंगे, जिनका अमेरिका में एकमात्र विरोध हुआ है। पाकिस्तान के नागरिकों ने अमेरिका में जगह-जगह मुनीर को 'लोकतंत्र का कतिल' बताते हुए प्रदर्शन किए हैं। खवाल अमेरिका पर उठ रहा है कि वह जेहादी मानसिकता के सेनाध्यक्ष को गले लगाएगा, तब लोकतन्त्रवाद के विरुद्ध लड़ाई के उसके दावे खाले ही नजर आएंगे। अमेरिका गलत साधने के चक्कर में ट्रंप आगे से खेल रहे हैं। यह भी देखना होगा कि पाकिस्तान जब अमेरिका की दोप में बैठेगा तब क्या वह चीन की गोदी छोड़ देगा। चीन ही उसे दुस्कारेगा? बहरहाल, इस घटनाक्रम के बाद बन रहे वातावरण पर भारत को बारीक नजर रखनी होगी।

कुछ

अलग

अब यही मेरी दुनिया है

हस्त्रो का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, उठना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वह मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। वह कह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायका के नाम 'ज्यादा नहीं शोभा देती।' अब के दुःख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'। वह जानती है कि अब वह कभी उस गंदे में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता का जो हाता था, अब उसके आँसू पोछने के लिए अब की बॉह नहीं है। सब कह किसी को नहीं कह सकती कि रूस में थक गई हूँ, क्योंकि अब उस की सबको संभालना है। वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सस का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी— वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं। रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब ज़रूरत रह जाती है। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अक्सर फूटते स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँध्रियाँ क्यों न चल रही हों। जब कोई कहता है, 'रबेटी थक गई होगी, र तो एक मीन गुंजाता है—न कोई आवाज, न कोई शिकायत। क्योंकि उसने मामूली है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं।' वह आँसू भी अपने आँसू से ही पोछ लेती है और खुद को समझा लेती है, 'र अब मेरी दुनिया है।' र अब चुपची हार नहीं है, यह एक हथियार है—संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वह चुपची है जो स्त्रियों को सपने की नहीं, सम्पन्न की शक्ति देती है। यह चुपची उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से 'नायिका' बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है। स्त्रियाँ उस घर को 'अपना' मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है।

दृष्टि

कोण

प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल

ऑपरेशन सिद्ध से लेकर

अमेरिका में न रुकने

क, हर निर्णय में भारत की विदेश नीति का परिपक्वता और रणनीतिक सोच साफ तौर पर दिखाई देती है। यही कारण है कि अब दुनिया भारत की बात सिर्फ सुनती नहीं, उस पर गंभीरता से विचार भी करती है। प्रधानमंत्री मोदी और दूत भी बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की नमूना प्रशाननमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के वं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुई हालिया लीलाफोनिक बातचीत वैश्वक दृष्टिनी और भारत की विदेश नीति के ललाजि से एक अहम दिशा साबित हुई है। ललाजि 35 मिनट तक चली से बातचीत में न सिर्फ क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुई, बल्कि भारत-पाकिस्तान ननाव, ऑपरेशन सिद्ध और भारत-अमेरिका संबंधों की दिशा को भी कल बड़े स्तर पर रणनीतिक विमर्श सामने लाया। हालांकि यह मुलाकात जी7 सम्मेलन के

डिरान आम्ने-सामने होने वाली थी, लेकिन ट्रंप की अमेरिका वापसी के कारण इसी नेताओं के फोने पर बात करनी पड़ी। इस पूरी घटना में हमें सबसे दिलचस्प और रसिकत पल्लु यह रहा कि ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने विचित्रता पूर्वक ठुकरा दिया, और इसकी वजह निरानयिक व्यवस्था नहीं थी, बल्कि गहरी रणनीतिक सूझबूझ और राजनीतिक परिपक्वता भी इसकी पीछे काम कर रही थी। बातचीत को शुरुआत ट्रंप के उस अनुग्रह से हुआ जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री को सौ आग्रह किया कि वे जंगना से लौटते समय अमेरिका रुककर देखें और काइट हाउस में उनसे मिलें। परंतु पीएम मोदी ने यह न्योता यह कहकर अस्वीकारा कि कदिया कि उन्हें अपनी पहले से तय गैरपरिचित यात्रा के लिए निकलना है। यह निर्णय अंतर्-अपचारिक कारणों से नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक संकेत छुपा हुआ था



दरअसल, उसी दिन ट्रंप के साथ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की लंच पर बैठक पहले से निर्धारित थी। ऐसे में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा राजनीतिक रूप से भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती थी। एक ही दिन, जहाँ एक जगह भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फौजी प्रमुख का उपस्थित होना न केवल भारत की वृत्तान्तिक स्थिति को कमजोर करता, बल्कि वैश्वक पटल पर गलत संदेश भी जाता। इस बातचीत में अपरेशन सिद्धर विशेष चर्चा का विषय रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को

विस्तार से बताया कि कैसे भारत ने 6-7 मई के बीच पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिभूत कश्मीर में केवल आठों ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाया सीटीक, नपी-तुली और गैर-भड़काऊ थी। साक्षात्कार में ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत आज आत्मनिर्भरता को एक सीमित 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि एक पूर्ण युद्ध के रूप में देख रहा है। मोदी ने बताया कि यह पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत ने गोले दे दिया है, और यह नीति भविष्य में भी जारी रहेगी। प्रधामंत्री ने टैप से यह भी कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में दृष्टि भी अमेरिका की ओर से को को मध्यस्थता नहीं हुई, न ही भारत ने इसकी को मांग की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत कभी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और भविष्य में करेगा। यह बात नतीजा की है और को को आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय विमल मिश्रा ने बाद में इस

वातचीत को जानकारी साझा करते हुए बताते कि सैनिकों का कोई को रोकने की बात भारत और पाकिस्तान की सेनाओं को बीच सीधे सैन्य चैनलों के जरिए हुई थी, और वह भी पाकिस्तान का आग्रह पर। इस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को ब्लाड की अगली बैठक के लिए भारत आना को न्योता भी दिया। ट्रंप ने यह न्योता स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। इसके अतिरिक्त दोनों नेताओं इजरायल-ईरान तनाव, रूस-यूरोन युद्ध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। खासकर हिंदप रक्षांत्र क्षेत्र में ब्लाड भीमिका को लेकर दोनों की सोच में समानता दिखी, और इस पर भविष्य में मिलकर कार्र करने की बात कही गई। इस बातचीत में ए.ए.ओ. महत्वपूर्ण पहलू अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का 9 महीने की रात को पीएम मोदी व किया गया फोन रहा।

मुस्लिम दुनिया में भी अयातुल्ला खामनेई है। ईरान शिया बग़ल देश है और उसके हिस्से किसी मुस्लिम देश का सम्बंध नहीं मिलता है कि पाकिस्तान को ट्रंप को इस राणातिव व पाकिस्तान यह दावा तो कर ही सकता है। पाटनर है किन्तु अब एक बार फिर वह उस उल हक के समय में अफगानिस्तान में अफगानिस्तान में हुआ था। दोनों ही बार के विरुद्ध और फौजी महत्त्वकांक्षाओं की खुफिया तंत्र का लॉचिंग पैड बना। यह है सैन्य प्रामुख को पहल को बार द्वाइड हाउस दल है जो आपने रहते के लिए किसी का ही लगता है कि उसके हित प्राभावित हो सकें। इसलिए किसी को भी हैरानी नहीं होनी बल्कि देश की जनता को बलि का बकरा ट्रंप ने मुनीर को ईरान को घेरने के लिए मुस्लिमो मदद का लालच तो दिया किन्तु मुस्लिम मदद नहीं करता तो उस पर तमाम प्रा

लगा-थलगा किया जाना जरूरत
सुनी है। अब सड़ता भी ईंधन का
है। अब सबका इलाज सवाल य
होस्टला बनने से थमा लाभ होगा।
वह भी अमेरिका का राणनीतिव
ह रह इस्तेफा होगा जैसे जिया
अफ़िरा मुजराफ़ के वक्त भी
अफ़िरा मुजराफ़ कोक्षाओं एह दिहा
में के लिए अमेरिकी सेना और
की बात जरूर है कि सेवार
पकड़ गया है। अमेरिका ऐस
लकड़ सक्ता है। और जब उ
तो वह गला भी दबा सक्ता है।
ए कि जनरल मुनीर खुद नह
ने के लिए तैयार है। राष्ट्रप
हेतु कहें कि आर्थिक और
को यह भी चेतावनी दी कि य
ध लय जाएंगे।

અવધેશ કુમાર

अवधेश कुमार



ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक, राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी।

देश

दुनिया से

આધી આઘાદી, અધૂરી માગીદારી

21वीं

21वीं सदी की सबसे बड़ी क्रांतियों में एक है—महिलाओं की भागीदारी का बढ़ना। फिर भी, जब वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2025 जारी किया, तो भारत का 131वां स्थान यह संकेत देता है कि विकास के तमाम दिनों के बावजूद महिला सशक्तिकरण केवल नारों में सिमट कर रह गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है, पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक भागीदारी में भारत की स्थिति चिंताजनक है। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स हर वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी की जाती है और इसमें कर प्रमुख क्षेत्रों में लैंगिक समानता का मूल्यांकन किया जाता है: आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धियाँ, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, और राजनीतिक सशक्तिकरण। 2025 की रिपोर्ट में भारत 146 देशों में 131वें स्थान पर है, जबकि 2024 में यह 129वें स्थान पर था। यथान्वी हम दो पायदान और नीचे गिर गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने कुछ उपलब्धियाँ जरूर हासिल की हैं। प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन दर लगातारग समान हो चुका है, किंतु उच्च शिक्षा में भागीदारी अभी भी असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल ड्राईप-आउट रेट लड़कियों में अधिक है, खासकर किशोरावस्था के बाद। शिक्षा सिर्फ स्कूल जाना तक सीमित नहीं है, वह अवसर, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता भी देती है—जो अभी भी बहुसंख्यक लड़कियों के हिस्से नहीं आई है। आर्थिक भागीदारी के मामले में तख्तियर और भी चिंताजनक है। भारत में महिल श्रम बल भागीदारी दर मात्र 25% के आसपास है, जबकि वैश्विक औसत 47% है। भारत



को बड़ी आवादी होने के बावजूद महिलाओं का सीमित आर्थिक योगदान देश की उत्पादकता और सामर्थ्यवैशेषी काणों को रोकता है। महिलाओं को समान-कार्य के लिए समान वेतन नहीं मिलता। अनौपचारिक क्षेत्र में काम करती हैं जहाँ उन्हें पेशेन मातृत्व लाभ या सामाजिक सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं मिलती। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भारत की स्थिति और भी कमजोर है। यही कारण है कि ग्लोबल इंडेक्स में भारत को सबसे कम अंक मिल रहा है। महिलाओं की संशक्तिकरण में ही मिले हैं। संसद में महिला सांसदों की संख्या अभी भी 15% से कम है। राज्य विधानसभाओं की तत्वीरों की कुछ अलग नद है। पंचायत स्तर पर भले ही 33% आरक्षण है, पर वहाँ भी महिलाओं का नाम तो होता है, पर सत्ता उनके पति या ससुर के हाथों में होती है—यानी “परंपरागत” जैसे शब्द अब हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। भारत की यह स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है जब हम अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं। बांग्लादेश (99%), नेपाल (117%), और श्रीलंका (123%) जैसे देश भारत से आगे हैं, जबकि पकिस्तान (148%) सबसे पीछे है। बांग्लादेश ने महिला नेतृत्व को राजनीतिक रूप से

मजबूती दी है और महिला श्रम भागीदारी भी बेहतर कर दी है। यह बताता है कि संसाधनों से ज्यादा जरूरी है इच्छाशक्ति और सामाजिक सोच में परिवर्तन। राजनीति केवल सोच का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक विमर्श को दिशा देने वाला चमकता है। जब संसद, उधन-कर्म और कैबिनेट में महिलाएँ होंगी, तब उनके मुद्दे—महिला सुरक्षा, मातृत्व स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक न्याय—वास्तविक जागरूकता बन पाएंगे। परंतु, भारत में अभी भी महिला नेताओं को “किसी की पत्नी” या “किसी की बेटी” मानने की मानसिकता संभव है। नेतृत्व की गुणवत्ता से ज्यादा वंश और पुरुष सत्ताहंकी को देखा जाता है। पाँच और छोटे शहरों में महिलाओं की वास्तविक स्थिति इससे भी ज्यादा जटिल है। आज भी बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा और ऑनर किलिंग जैसी घटनाएँ महिला सशक्तिकरण पर कलंक डालती हैं। महिलाएँ ऐसी हैं जिन्हें बैंक खाता, संपत्ति अधिकार या कानूनी संरक्षण के बारे में जानकारी नहीं। सरकारी योजनाएँ जैसे उज्ज्वला या बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ दिखती हैं, पर उनका जमीनी असर आँकों में नहीं दिखता। हालाँकि इन तमाम अपेक्षों के बीच कुछ रोशनियाँ की किरणें भी हैं। स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे ऑनलाइन के जरिए कई महिलाओं ने छोटे-छोटे अभियानों में शुरुआत की है। कई महिलाएँ छात्रों, विज्ञान, और तकनीक के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रही हैं। पौबी सिंधु, अन्वी लेखरा, और इमरोश की महिला वैज्ञानिक रितु करिधाल जैसे नाम उदाहरण हैं कि अंधेरा और विचारवादी मिले तो उधारएँ सिर्फ भर नहीं, दुनिया बदल सकती है।

ਪੈਡ

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिर पाकिस्तान के कलमुल्ला मानसिकता के सेना प्रामुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में बुलाकर जिस तरह पुचकारा की रणनीति बनाई वह ठीक उसी तरह है जैसे 1983 में तत्कालीन जनरल जिया उल हक को व्हाइट हाउस में बुलाकर राष्ट्रपति रोजाल्ड रीगन ने पुचकारा था। दरअसल किसी भी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री आमतौर पर दूसरे देशों के अपने समकक्ष नेताओं से ही मुलाकात करते हैं। सेना प्रामुख जैसी लिखितयों से मुलाकात नहीं हुआ करती। जिया उल-हक सेना प्रामुख के साथ एक तानाशाह राष्ट्रपति भी थे। ऐसे में जिया राष्ट्रपति ट्रंप ने लीक से हटकर पाकिस्तान के सेना प्रामुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तो सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे मायने क्या हैं? इस मुलाकात के पीछे तत्कालीन लेहू गूलकर वृष्णा हुए जा रहे हैं। मतलब वृष्णा ने इसे अपने लिए बहुत के तौर पर देख रहा है। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी बबांदी की पटकथा लिखना शुरू कर दी है। सवाल है कि क्यों? अमेरिका की रणनीति और पाकिस्तान की डायरी की लालच या उसकी लाचारी की विलेखण करनी तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जिस तरह जिया-उल-हक को भोजन कराकर रोजाल्ड रीगन ने पाकिस्तान को तत्कालीन सोवियत-संघ की सेना के खिलाफ मुजाहिदीन गढ़ने के लिए तैयार किया था ठीक उसी तरह 'डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर को भोजन कराकर ईरान के खिलाफ हमले के लिए पाकिस्तान को नाना चुंगी और लांच पैड की तरह इस्तेमाल करना का अवसर तलाश लिया है। पाकिस्तान से ईरान की 900 किमी से ज्यादा की सीमा लगती है। अमेरिका पड़ोसी का इस्तेमाल करके ही अपने शत्रु देशों के खिलाफ युद्ध करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति, सेना और डिप्लोमैट अच्छी तरह जानते हैं कि अमेरिका को यह सुविधा पाकिस्तान के अलावा कोई और देश मुहैया नहीं करा सकता। उन्हे यह भी पता है कि प्राधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मुनीर के सपने में कई ओकान होते हैं। इसलिए मुनीर को पुचकार कर वाशिंगटन डीसी में सिर्फ उसके हवाई अड्डों को लांच पैड के तौर पर इस्तेमाल करना कर सकता है बल्कि ईरान के प्रांति मुस्लिम ब्रदरहुड के गुम्बरे की हवा भी निकाल सकता है। अभी तो ईरान के सुप्रिमा लड़ा अयातुल्ला अली खामने ने पूरे दुनिया के मुसलमानों से एक होने की आज्ञा दे रखी है तो कुछ देशों ने खुरस पसर करना भी शुरू कर दी है। तोआईसी के 5 देशों में से कोई भी ईरान

आप का

नजरिया

अमेरिका का लांच पैड बनेगा पाक

ਪੈਡ

पैड बनेगा पाक पाकिस्तान पर प्रायः हमलावर रहने वाला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिर पाकिस्तान से कटमुल्ला मानसकता के सेना प्रामुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में बुलाकर जिस तरह पुचकारने की रणनीति बनाई वह ठीक उसी तरह है जैसा 1983 में तत्कालीन जनरल जिया उल हक को व्हाइट हाउस में बुलाकर राष्ट्रपति रीगल्ड रीगन ने पुचकारा था। दरअसल किसी भी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री आमतौर पर दूसरे देशों के अपने समकक्ष नेताओं से ही मुलाकात करते हैं। सेना प्रामुख जैसी शिष्टयंत्रित से मुलाकात नहीं हुआ करती। जिया उल-हक सेना प्रामुख के साथ एक तानाशाह राष्ट्रपति भी थे। ऐसे में जनरल राष्ट्रपति ट्रंप ने लोक से हटकर पाकिस्तान के सेना प्रामुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तो सवाल उठ रहा है कि आखिर इससे मायने क्या है? इस मुलाकात के पीछे पाकिस्तान के लोग पूलकर बुण्या हुर जा रहे हैं। मतलब ब्याहलाने इसे अपने लिए बहुत के तौर पर देख रहा है। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी बर्बादी की पटकथा लिखना शुरू कर दी है। सवाल है कि क्यों? अमेरिकी रणनीति और पाकिस्तान की डायरों की लालच या उसकी लाचारी का विरलेषण कर्मी तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जिस तरह जिया उल-हक को भोजन कराकर रीगल्ड रीगन ने पाकिस्तान को तत्कालीन सोवियत संघ की सेना के खिलाफ मुजाहिदीन गढ़ने के लिए तैयार किया था ठीक उसी तरह डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर को भोजन कराकर ईरान के खिलाफ हमले के लिए पाकिस्तान को नाका चुंगी और लांच पैड की तरह इस्तेमाल करने का असर पैदा किया गया है। पाकिस्तान से ईरान की 900 किमी से ज्यादा की सीमा लगती है। अमेरिका पड़ोसी का इस्तेमाल करके ही अपने शत्रु देशों के खिलाफ युद्ध करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति, सेना और डिप्लोमेट अच्छी तरह जानते हैं कि अमेरिका को यह सुविधा पाकिस्तान के अलावा कोई और देश नहीं दे सकता। उन्हें यह भी पता है कि प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मुनीर के सामने कोई आकान नहीं है। इसलिए मुनीर को पुचकार कर वाशिंगटन डीसी न सिर्फ उसके हवाई अड्डों को लांच पैड के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है बल्कि ईरान के प्राति मुस्लिम ब्रदरहड के गुब्बारे की हवा भी निकाल सकता है। अभी तो ईरान के सुप्रिमा अजाद यातुल्ला अली खमनेनी पूरी दुनिया के मुसलमानों से एक होने की आवज लगा रहे हैं तो कुछ देशों ने ख़ुसूर पसर करनी भी शुरू कर दी है। ओआईसी के 5 देशों में से कोई भी ईरान

कस था खड़ा नहीं दिख रहा है। दिखता तो यह रहा है कि ईरान के पड़ोसी मुस्लिम देश इजरायल की भी मदद कर रहे हैं। पाकिस्तान ने भी इजरायल हमले वे तो तुरन्त बात अपनी प्रातिस्त्रीयता व्यव्क्त करते हुए ईरान के प्रति सहयता दिखाने की। यही नहीं तुका से लेकर सऊदी अरब और यूएन में भी इजरायल हमले की निन्दा की थी। यह दूसरी बात है कि ये सभी इस्लामिक मुल्क दिल और दिमाग से पूरी तरह ईरान के परमाणु कार्ययाम के खिलाफ हैं। वे इजरायल के हमले को उचित नहीं मानते किन्तु वे ईरान के परमाणु कार्ययाम के क्षेत्र में शक्ति संतुलन के खिलाफ भी मानते हैं। अब दुप और उनके सहयोगी चाहते हैं कि मुस्लिम दुनिया में भी अयातुल्ला खामनेई को अलग-थलग किया जाना जरूर है। ईरान शिया बहुल देश है और उसके पड़ोसी सुन्नी हैं। इसलिए भी ईरान का किसी मुस्लिम देश का समर्थन नहीं मिला रहा। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान को दुप की इस रणनीति का हिस्सा बनने से क्या लाभ होगा। पाकिस्तान यह दावा तो कर ही सकता है कि वह भी अमेरिका का रणनीतिवाक पार्टनर है किन्तु अब एक बार फिर उसी तरह इस्तेमाल होगा जैसे जियाउल हक के समय में अफगानिस्तान में हुआ अफगानिस्तान मुजर्राफ के वकत भी अफगानिस्तान में हुआ था। दोनों ही बार पाकिस्तान जनकांक्षाओं एवं हितों के विरुद्ध और फौजी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अमेरिकी सेना और खुफिया तंत्र का लांघिण पैड बना। यह हैरानी की बात जरूर है कि सेवारत सैन्य प्रामुख को पहली बार द्वाइड हाउस में बुलाया गया है। अमेरिका ऐसे देश है जो आपन को हल के लिए किसी का भी पैर पकड़ सकता है और जब उस लगता है कि उसके हित प्रभावित हो सकते हैं तो वह गला भी दबा सकता है। इसलिए किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जनरल मुनीर खुद नहीं बल्कि देश की जनता को बलि का बकरा बनाने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को ईरान को घेरने के लिए मदद हेतु कई तरह की आर्थिक और मिलिट्री मदद का लालच तो दिया किन्तु मुनीर को यह भी चेतावनी दी कि यदि वह मदद नहीं करता तो उस पर तमाम प्रतिबंध बल जाएंगे।



इरान का समर्थन किया। पाकिस्तान की हैसियत स्वयं इस्लामी जगत में ही इतनी बड़ी कर सके। इरान के लिए वह हतप्रभ करने वाला व्यक्ति स्थिति है कि संकट की इस बड़ी में कोई देश उपक्रमे साथ सक्रिय रूप से आगे नहीं आया। शांति की बात करने वाले कुछ देश जरूर हैं। कुछ अन्य कारक भी ईरान के विरुद्ध और इजरायल के पक्ष में जाते हैं। इजरायल ने अभी तक ईरान को अपनी सेना प्रमुखों, अनेक शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सबसे एलिट माने जाने वाले इस्लामी क्रांति के बाद उत्पन्न ईरान के रियासतियुनानी गार्ड के प्रमुख को एक ही हमले में समाप्त कर दिया। घात साध दिए गए। उसके लिए जैसैन चीफ यानी खुफिया प्रमुख भी मारे जा चुके हैं। स्वयं अयातुल्लाह खामेनेई और उनके बेटे मौजताबा दोनों के बारे में इतनी जानकारी है कि वे कहीं छिपे हुए हैं। ध्यान रखें, ईरान ने इन पंक्तिगत व व्यक्तिगत ज्ञान के तब इजरायल के किसी बड़े सैन्य अधिकारी व नाभिकीय वैज्ञानिक आदि को मारने में सफलता नहीं पाई है। ईरान के मियासाल इजरायल पर अंधा धुंध हमले कर रहे हैं और उसने ज्यादातर नागरिक स्थल ही ध्वस्त हुए हैं। इस्लामी क्रांति के बाद अयातुल्लाह खामेनी और खामेनेई ने ईरान को इस्लाम का नेता बनाने के लिए फिलिस्तीन मुद्दे को सबसे आगे किया। उन्होंने जिस तरह के भाषण दिए उससे विश्व भर के मुसलमानों के एक बड़े वर्ग में पैदा हुआ। फिलिस्तीन की जमात मजहबी के समर्थन का भाव भी अंदर आया। सीधे संघर्ष की जगह ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हुती विद्रोही पैदा किया तो फिलिस्तीन के समर्थन के लिए इस्लामिफ नदरहुड के भाग के रूप में फिलिस्तीन में हमला। इन्हीं के माध्यम से वह इजरायल को लालमजगार घाव देता रहा है। इजरायल ने ईरान पर निर्णायक हमले के पूर्व जो कुछ किया वह हमारे सामने है। उसने हिजबुल्ला को नेतानाहुत किया और उसके प्रमुख नसीरुल्लाह सफिफत सरी शीर्ष कमांडरों को समाप्त कर दिया। लेबनान को सैन्य स्थिति में नहीं छोड़ा कि वह ईरान के साथ खड़ा हो सके। हमला को भी विनाश के कागार पर पहुंचा दिया और उसके प्रमुख इम्मादल हानियां को पिछले साल खत्म कर दिया। हुती को अमेरिका के साथ कमजोर किया। हालांकि इस समय हुती लाल सागर में गतिविधियां दिखा रहे हैं लेकिन उन भी इजरायलदस्त मार पड़ रही है। इसके साथ इजरायल धीरे-धीरे

देश के प्रमुख शीर्ष सैन्य रणनीतिकारों और नायकों में वैज्ञानिकों को कौन के मौत के घाट उतारता रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल की पश्चिम एशिया यात्रा के दौरान सीरिया के सत्ता पर काबिज पूर्व आतंकवादी अहमद अल शाब उर्फ अबू मोहम्मद अल जुलानी से हाथ मिलाया तो उसके पीछे ही रणनीति थी कि वह ब्राह्मिम अर्कोई देने का समझौता पर हस्ताक्षर कर जिसमें इसराइल को मान्यता देने का बात है। वे जिन देशों में गए चाहें उन्होंने ईरान के विरुद्ध इजरायल के पक्ष में वातावरण बनाया। इसका परिणाम देखिए कि हमारा के समर्थक कुछ प्रकरणों को अरब देशों के अंदर ही गिरफ्तार कर सामिल दी जाये उन्हें मार डाला गया। इनमें से सऊदी अरब भी शामिल है जो कट्टर सुन्नी देश है। आज स्थिति यह है कि मोहम्मद पैगंबर साहब के वंशजों के शासन के अधीन वाला देश जॉर्डन इजरायल के विमानों को जाने की अनुमति दे रहा है। इसी ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका पूरी तरह इसराइल के साथ खड़ा है और अगर ईरान का पलड़ा कहीं से मजबूत दिखा तो वह कभी भी हस्तक्षेप करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की तो उसके पीछे भी निश्चित रूप से उन्हें इस युद्ध से दूर रहने के लिए तैयार करना रहा होगा। भारत की दृष्टि से देखें तो ईरान से हमारे संबंध अच्छे माने जाते हैं। पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति से लेकर अन्य रणनीतिक मामलों में ईरान के समर्थन सीमाएँ रही हैं। पिछले वर्ष अयातुल्लाह खामेनेई ने भारतीय मुसलमानों की फिलिस्तीन से तुलना करते हुए पोस्ट लिखा था कश्मीर मामले पर लक्ष्य बयान भारत विरुद्ध रहा है। पाकिस्तान में उसका लश्कर केवल सुन्नी मुसलमानों के शासन को मजबूत नहीं होने देना है अन्यथा उसकी नीति कहीं भी भारत के पक्ष में नहीं है। बलूचिस्तान के एक भाग पर उसका कब्जा है तथा वह भी पाकिस्तान की तरह ही बलूचियों को दमन कर रहा है। ईरान का पूरा इतिहास देखें तो कभी भी कतिन परिस्थिति में वह भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ इसलिए जो लोग भी ईरान को लेकर छाती पीट रहे हैं वे ईरान भारत के साथ संबंधों में इजरायल और ईरान के व्यवहार की निष्पक्षता और ईमानदारी से तुलना करनी चाहिए। कोई नहीं कहता कि आयतुल्लाह खामेनेई का ईरान अमानक घुटने टेक देना। उसके पास मिसाइल, ड्रोन, लाडकू विमानों से लेकर बड़े शस्त्रागार हैं। किंतु वह इजरायल या उसके साथ देश वाले अमेरिका के मुख्य सामरिक कथलों को ध्वस्त कर उन्हें हमला न करने की स्थिति में लाने की क्षमता नहीं दिखा पायेगा। तो इस युद्ध के परिणाम ईरान के पक्ष में नहीं जा सकते। इसमें अगर आयतुल्लाह खामेनेई का पतन होता है तो यह 1979 के इस्लाम के नाम तथा कथित क्रांति द्वारा सत्ता कब्जा ने तथा उसके बाद पैदा हुए संपूर्ण अरब में कट्टरपंथ के दौर के बाद का एक नया चरण अपेक्षित होगा। इसका प्रभाव विश्व एवं भारत पर निश्चित रूप से पड़ेगा।



ईरान पर अमेरिकी हमले पर यूएन ने जताई चिंता, अब हालात बहुत खतरनाक

जेनेवा, 22 जून (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताई है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि हालात बहुत खतरनाक हैं और अब यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका बहुत बुरा असर आम लोगों के साथ पूरे इलाके और दुनिया पर भी पड़ेगा। शनिवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन से कुछ मिनट पहले एक बयान में गुटेरेस ने कहा कि यह हमला अंतराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। उन्होंने कहा कि वह ईरान के विरुद्ध संयुक्त

महासचिव ने कहा- संघर्ष नियंत्रण से बाहर हुआ तो दुनिया पर पड़ेगा बुरा असर

राज्य अमेरिका द्वारा किए गए बल प्रयोग से बेहद चिंतित हैं और चेतावनी दी कि इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर हो सकता है, जिसके नागरिकों, क्षेत्र और विश्व के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- इस संकट को घड़ी

में जरूरी है कि हम अराजकता और तबाही के इस सिलसिले को रोकें। इस हालात का कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ बातचीत है। इससे पहले ट्रंप ने ट्विटर पर हमले की जानकारी दी थी। ट्रंप ने कहा कि उनकी सेना ने ईरानी शासन के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों- फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर बड़े पैमाने पर सटीक हमले किए हैं। इसके बाद उन्होंने अमेरिका को इसकी पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता को नष्ट करना और उत्पन्न परमाणु खतरे को रोकना है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने एक टीम के रूप में काम किया है, जैसा कि शायद पहले किसी टीम ने नहीं किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान में या तो शांति होगी या फिर त्रासदी होगी जो पिछले आठ दिनों में हमने देखी उससे कहीं ज्यादा बड़ी होगी। उन्होंने कहा कि ईरान में और भी कई ऐसे लक्ष्य हैं, जिन पर अमेरिका हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि शांति जल्द नहीं होती है, तो हम सटीकता, गति और कौशल के साथ उन अन्य लक्ष्यों पर हमला करेंगे। उनमें से अधिकांश को कुछ ही मिनटों में नष्ट किया जा सकता है।

न्यूज़ ब्रीफ

उत्तराखंड में बंधक बनाए 35 नेपाली नागरिकों को मुक्त कराया गया, होगी वापसी



काठमांडू। भारत के उत्तराखंड में कई दिनों से बंधक बना कर रखे गए 35 नेपाली नागरिकों को सफुलल रिहा कराया गया है। इन युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बंधक बनाया गया था। रविवार को इन युवकों को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेपाल वापस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तराखंड के काशीपुर में स्थानीय पुलिस ने छापा मारकर एक ही स्थान से 35 युवकों को मुक्त कराया गया। नई दिल्ली में नेपाली दूतावास ने कहा कि इन युवकों को बंदी बनाए जाने की सूचना के बाद मुक्त कराया गया। दूतावास ने गुरुवार को उत्तराखंड पुलिस और किन इंडिया नामक संगठन की मदद से उन्हें बचाया। इन सभी को शनिवार को दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास लाया गया। दूतावास ने कहा है कि उत्तराखंड पुलिस ने घटना से संबंधित कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। दूतावास के उपमुख्य डा. सुरेन्द्र थापा ने कहा कि इस मामले की उत्तराखंड पुलिस आगे की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को नेपाल भेजने की व्यवस्था की गई है।

परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों को लेकर ईरान ने कहा- दीर्घकालिक परिणाम होंगे



तेहरान। ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईआईए) पर बेरुखी का आरोप लगाया। ईरान ने वैश्विक समुदाय से अमेरिकी हमलों की निंदा कर ईरान के रुख के समर्थन की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान को तबाह करने का दावा किया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। अब्बास अरागची ने लिखा कि ईरान के पास अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की सुरक्षा के सभी विकल्प हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि संघर्ष के तेजी से नियंत्रण से बाहर होने का जोखिम बढ़ रहा है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है।

तेहरान पर इजराइली हवाई हमले में हिज्बुल्ला नेता का पूर्व अंगरक्षक और इराकी गुट का कमांडर मारा गया

तेहरान/बेरुत। ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक इजराइली हवाई हमले में लेबनानी सशस्त्र संगठन हिज्बुल्ला का एक वरिष्ठ सदस्य अबू अली खलील मारा गया। वह संगठन के

दिवंगत प्रमुख हसन नसरल्लाह का अंगरक्षक रह चुका था। खलील के साथ ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट कतायब सय्यद अल-शुहदा के सुरक्षा प्रमुख की भी मौत हुई है। लेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा स्रोत ने बताया कि अबू अली खलील इराक की धार्मिक यात्रा पर थे, जहां उनकी मुलाकात कतायब समूह के नेता से हुई। दोनों साथ में तेहरान पहुंचे और वहीं इजराइली हमले में खलील के बेटे समेत मारे गए। कतायब सय्यद अल-शुहदा ने एक बयान जारी कर इस हमले और दोनों सदस्यों की मौत की पुष्टि की है। इस बीच, बेरुत के दक्षिणी उपनगर दहियेह में गम का माहौल है। यहां छोटे हथियारों से हवाई फायरिंग और टेसर राउंड छोड़े गए, जो शोक जताने का पारंपरिक तरीका है। उल्लेखनीय है कि हसन नसरल्लाह की मौत भी इजराइल द्वारा बेरुत के दक्षिणी उपनगर पर किए गए हवाई हमले में हुई थी। पिछले नौ दिनों से ईरान और इजराइल के बीच टकराव लगातार जारी है। इजराइल का दावा है कि ईरान परमाणु हथियारों की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जबकि तेहरान ने बार-बार इस आरोप को नकारते हुए कहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं चाहता।

ईरान को परमाणु हथियार देने को तैयार कई देश, रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव का चौंकाने वाला दावा

रूस, 17 जून (एजेंसियां)।

मेदवेदेव ने अपनी आलोचना को बढ़ाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया, 'कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु हथियार आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि इन देशों का नाम नहीं लिया। यह बयान अमेरिकी अभियान के कई अनपेक्षित परिणामों में से एक है, जिसके बारे में मेदवेदेव का कहना है कि यह न केवल सैन्य रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी विफल रहा है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया है कि ईरानी परमाणु ठिकानों पर हाल ही में हुए अमेरिकी हवाई हमलों के बाद, कई देश अब ईरान को परमाणु हथियार मुहैया कराने को तैयार हैं। मेदवेदेव ने द (पूर्व में ट्रिटर) पर पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि इस्फाहान, नतांज और फोर्डो में स्थित स्थलों को निशाना बनाने वाला अमेरिकी अभियान अपने उद्देश्य में विफल रहा है, और वास्तव में इसका विपरीत परिणाम हुआ है। इस बीच, ईरान ने रूस से समर्थन मांगा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इस संबंध में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत करने के लिए मास्को जाने की घोषणा की है। मेदवेदेव ने अमेरिकी हवाई हमलों की विफलता पर सवाल उठाया दिमित्री मेदवेदेव ने, जो वर्तमान में रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, फोर्डो, नतांज और इस्फाहान में ईरान



की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी हवाई हमलों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा, 'ईरान में तीन परमाणु साइटों पर अपने रात के हमलों से अमेरिकियों ने क्या हासिल किया है?'

मेदवेदेव का दावा है कि इन हमलों से परमाणु ईंधन चक्र का महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा अप्रभावित प्रतीत होता है या केवल मामूली क्षति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि परमाणु सामग्री का संवर्धन और अब हम इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, परमाणु हथियारों का भविष्य का उत्पादन जारी रहेगा। मेदवेदेव ने अपनी आलोचना को बढ़ाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया, 'कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु हथियार आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि इन देशों का नाम नहीं लिया। यह बयान अमेरिकी अभियान के कई अनपेक्षित परिणामों में से एक है, जिसके बारे में मेदवेदेव का कहना है कि यह न केवल सैन्य रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी विफल रहा

है। हमलों से ईरान का राजनीतिक शासन मजबूत हुआ। मेदवेदेव ने तर्क दिया कि इन हमलों ने ईरान के राजनीतिक शासन को और मजबूत किया है। उन्होंने लिखा, 'ईरान का राजनीतिक शासन बच गया है और सभी संभावनाओं में, और भी मजबूत हो गया है।' उनका मानना ​​है कि हमलों ने ईरान में घरेलू समर्थन को मजबूत करने में मदद की है, जिससे लोग देश के आध्यात्मिक नेतृत्व के इर्द-गिर्द एकजुट हो रहे हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो पहले इसके प्रति उदासीन या विरोधी थे।

मेदवेदेव ने ट्रंप पर साधा निशाना, अमेरिकी कार्रवाई को युद्ध बताया रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ईरान पर हुए हालिया अमेरिकी हवाई हमलों के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर कटाक्ष किया है। मेदवेदेव ने कहा, ट्रंप, जिन्हें कभी 'शांति के राष्ट्रपति' के रूप में सम्मानित किया जाता था, ने अब अमेरिका को एक और युद्ध में धकेल दिया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, इस दर पर, ट्रंप नोबेल शांति पुरस्कार के बारे में भूल सकते हैं - भले ही यह कितना भी धांधली वाला बयान न हो। चीजों में शुरू करने का यह कैसा तरीका है, श्रीमान राष्ट्रपति। बधाई! रूसी नेता ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब एक नए संघर्ष में

उलझ गया है, जिसमें ज़मीनी कार्रवाई की संभावनाएं क्षितिज पर मंडरा रही हैं। उन्होंने हमलों के क्षेत्रीय परिणामों की ओर इशारा करते हुए कहा, इजराइल पर हमला हो रहा है, देश में विस्फोट हो रहे हैं, और लोग घबरा रहे हैं, जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है। अमेरिकी हमलों के जवाब में, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने घोषणा की कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ करेंगे। अरागची ने रूसी मीडिया से कहा, 'मैं आज दोपहर मास्को जा रहा हूं,' और बताया कि वह 'कल सुबह रूसी राष्ट्रपति के साथ गंभीर परामर्श करेंगे।' ईरान और रूस के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए, अरागची ने कहा, 'हम एक राणीतिक साझेदारी का आनंद लेते हैं, और हम हमेशा एक-दूसरे के साथ परामर्श करते हैं और अपनी स्थिति का समन्वय करते हैं।' यह यात्रा अरागची और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच फोन कॉल के बाद हुई है, जिसके दौरान लावरोव ने इजरायल के बल प्रयोग की निंदा की और संघर्ष को कम करने में सहायता करने के लिए मास्को की इच्छा व्यक्त की। एक बयान में, रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस ईरान के परमाणु कार्यक्रम के आसपास लंबित मुद्दों को हल करने के प्रयासों को जारी रखने के लिए तैयार है।

अमेरिका ने अंतराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि का उल्लंघन किया



तेहरान, 22 जून (एजेंसियां)।

ईरानी विदेश मंत्री ने रविवार को अमेरिका को कड़ी निंदा करते हुए उस पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतराष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि के चोर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यह हमला अमेरिकी सेना द्वारा इजराइल के साथ समन्वय में ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद किया गया। ईरानी विदेश मंत्री की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शनिवार देर रात देश के नाम संबोधन के बाद आई। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने इजराइल के साथ संयुक्त अभियान में फोर्डो, नतांज और एस्फाहान परमाणु स्थलों पर हमला किया है। अमेरिका के इस कदम से वर्तमान संघर्ष और बढ़ सकता है। 13 जून को इजराइल के ईरान पर किए अचानक हमले के बाद मध्य पूर्व में हालात काफी गंभीर हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करके संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतराष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह जो हुआ वह बेहद खतरनाक, अवैध और आपराधिक है।

इसका असर हमेशा रहेगा। दुनिया के हर देश को इसकी चिंता होनी चाहिए। अंतराष्ट्रीय कानून के

ईरानी विदेश मंत्री ने हमले की निंदा कर कहा- हमें भी है आत्मरक्षा का अधिकार

तहत ईरान के अधिकार का हवाला देते हुए उन्होंने आत्मरक्षा के अधिकार की बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत आत्मरक्षा का अधिकार हमारे पास है और ईरान अपने लोगों, संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए हर विकल्प अपनाएगा। बता दें ट्रंप ने अपने संबोधन में अमेरिकी सेना के इस सफल ऑपरेशन की सराहना करते हुए कहा था कि ईरान को अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने से रोकने के लिए यह जरूरी था। शनिवार को हमलों के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने कहा कि मैं उन महान अमेरिकी देशभक्तों को बधाई देता हूं जिन्होंने उन शानदार मशीनों को उड़ाया और संयुक्त राज्य अमेरिका की पूरी सेना को एक ऐसे ऑपरेशन के लिए बधाई देना चाहता हूं, जैसा कि दुनिया ने कई दशकों में नहीं देखा है। उम्मीद है कि हमें अब इस क्षमता में उनकी सेवाओं की जरूरत नहीं होगी। मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। अपने बयान में ट्रंप ने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू को धन्यवाद देना चाहता हूं।

मलेशिया के जोहोर राज्य में तेल भंडारण फैसिलिटी में लगी भीषण आग, रिहायशी इलाकों में मचा हड़कंप

कुआलालंपुर, 22 जून (एजेंसियां)।

मलेशिया के जोहोर राज्य के पसिर गुदांग शहर में शनिवार को एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंजन ऑयल भंडारण केंद्र और ट्रक डिपो में भीषण आग लग गई। आग की मयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएँ के विशाल गुबार ने पूरे इलाके को ढक लिया और पास के रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा।

जोहोर अग्निशमन और बचाव विभाग के संचालन केंद्र के अनुसार, आग लगने की सूचना उन्हें दोपहर बाद (स्थानीय समयानुसार) प्राप्त हुई। दमकलकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो ट्रक डिपो में लपटें तेजी से फैल रही थीं और तेज हवाओं के कारण आग पास की एक परित्यक्त तेल भंडारण इकाई तक फैल गई।

बर्नामा (मलेशियाई राष्ट्रीय समाचार एजेंसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगभग 50 मीटर दूर



स्थित एक आवासीय क्षेत्र तक भी पहुंच गई, जिससे वहां रहने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

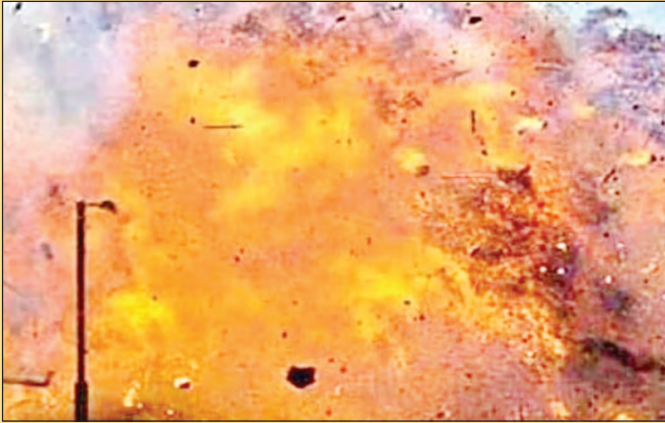
फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने

आसपास के लोगों से संयम बनाए रखने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि स्थिति पर पूरी निगरानी रखी जा रही है और जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।



पाकिस्तान के बलुचिस्तान में बम धमाका, 2 सुरक्षाकर्मियों की मौत, 4 घायल



पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलुचिस्तान प्रांत के कालात जिले में शनिवार को हुए एक बम विस्फोट में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सुरक्षा अधिकारी ने दी। घटना कालात जिले के मांगोचर क्षेत्र के ग्रामीण जोबान इलाके में उस समय हुई, जब सुरक्षा बलों का एक वाहन गश्त कर रहा था। तभी सड़क किनारे छिपाए गए एक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को अज्ञात हमलावरों ने रिमोट से उड़ा दिया। आईईडी धमाके में हुआ हमला, इलाके में सर्व ऑपरेशन जारी घटना के बाद सुरक्षा बलों और बचाव दलों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों और मृतकों को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के बाद इलाके को घेर लिया गया है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी की भी खबर है, हालांकि इस संबंध में अभी और जानकारी नहीं है।

आईईए के महानिदेशक राफेल ग्रांसी ने दी चेतावनी

जेनेवा, 22 जून (एजेंसियां)।

अंतराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के महानिदेशक राफेल ग्रांसी ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर इजराइली हमलों से परमाणु संदूषण यानी रेडियोधर्मी और रासायनिक प्रदूषण के खतरे की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान में परमाणु ठिकानों पर हमलों ने देश में परमाणु सुरक्षा और संरक्षा में भारी गिरावट ला दी है। अभी तक इनसे जनता को प्रभावित करने वाला कोई रेडियोधर्मी उत्सर्जन नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा होने का खतरा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में अपनी ब्रीफिंग में ग्रांसी ने कहा कि



इजराइली हमले के बाद नतांज साइट के बाहर रेडियोधर्मिता का स्तर अपरिवर्तित और सामान्य स्तर पर है, लेकिन सुविधा के अंदर रेडियोलांजिकल और रासायनिक दोनों तरह का संदूषण है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से अल्फा में अपनी ब्रीफिंग में ग्रांसी ने कहा कि

साथ अंदर जाए या निगला जाए तो एक बड़ा खतरा पैदा करता है। श्वसन उपकरणों का उपयोग करने जैसे उचित सुरक्षात्मक उपायों के साथ इस जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। सुविधा के अंदर मुख्य चिंता रासायनिक विषाक्तता है। बता दें 60

फीसदी युरेनियम को समृद्ध करने के लिए फोर्डो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थान है। उन्होंने कहा कि आईईए को इस समय फोर्डो में किसी भी नुकसान की जानकारी नहीं है। 13 जून के हमले में एस्फाहान परमाणु स्थल पर चार इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। ऑफ-साइट विकिरण के स्तर में कोई वृद्धि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नतांज की तरह, मुख्य चिंता केमिकल टॉक्सिटी की है। ग्रांसी ने कहा कि अन्य परमाणु सुविधाओं पर हमलों का कोई रेडियोलांजिकल प्रभाव नहीं पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के गंभीर परिणामों की चेतावनी दी, जो एक चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है और जिसमें हजारों किलोग्राम परमाणु सामग्री रखी है। उन्होंने कहा कि मैं यह बिल्कुल और पूरी

तरह से स्पष्ट करना चाहता हूं कि बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के मामले में सीधे हमले के परिणामस्वरूप पर्यावरण में रेडियोधर्मी विकिरणों का बहुत ज्यादा उत्सर्जन हो सकता है। इसी तरह संयंत्र को बिजली की आपूर्ति करने वाली केवल दो लाइनों को निष्क्रिय करने वाले हमले से इसके रिएक्टर का कोर पिघल सकता है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण में रेडियोधर्मिता का उच्च उत्सर्जन हो सकता है। अपने सबसे खराब मामले में, दोनों परिदृश्यों में सुरक्षात्मक कार्रवाई की जरूरत होगी, जैसे कि आबादी को निकालना और आश्रय देना। स्थिर आयोडीन लेने की जरूरत, जिसकी पहुंच कुछ से लेकर कई सौ किलोमीटर तक हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि विकिरण निगरानी की कई सौ किलोमीटर की दूरी को कवर

करने की जरूरत होगी और खाद्य प्रतिबंधों को लागू करने की जरूरत भी हो सकती है। ग्रांसी ने चेतावनी देते हुए कहा कि तेहरान परमाणु अनुसंधान रिएक्टर के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। संभवतः शहर के बड़े क्षेत्रों और उसके निवासियों के लिए उन्हीं अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सैन्य वृद्धि से जीवन को खतरा है। आईईए एक वाटरटाइट निरीक्षण प्रणाली के जरिए गार्टी दे सकता है कि ईरान में परमाणु हथियार विकसित नहीं किए जाएंगे। वे एक दीर्घकालिक समझौते का आधार बन सकते हैं जो शांति लाता है और मध्य पूर्व में परमाणु संकट को रोकता है।



स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां) ।

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर)

यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला

ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई

से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक को व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर

कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी। इस गड़बड़ के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी।

न्यूज़ ब्रीफ

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं



नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर हैं। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। डीजल में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर समाहात पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रति लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल



रांची। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अधिकारी ने यहां मीडियाकॉर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट



मुंबई। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू-राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचारियों ने छटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही वेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्ताव : पारेख

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां) ।

एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था।

यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं।

पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई झूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर स्पष्टाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इश्वरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इश्वरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।



नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में सैमसंग बहुत जल्द अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी लॉन्च करने जा रही है। इसे खास तौर पर युवा उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह फोन कंपनी की लोकप्रिय एम-सीरीज का हिस्सा होगा। इस बारे में कंपनी का कहना है कि यह डिवाइस स्टाइलिश लुक, हल्के डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स के साथ आएगा, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त होगा। फोन में ऑटोफिशियल इंटीलिजेंस क्षमताएं शामिल होंगी जो यूजर के व्यवहार के अनुसार खुद को अनुकूलित कर सकेगी। इसके अलावा यह फोन तेज प्रदर्शन भी देने में सक्षम होगा, जिससे मल्टीटास्किंग, गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग जैसे काम बिना किसी रुकावट के किए जा सकेंगे। गैलेक्सी एम 35 5जी को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, यह फोन एक्सोनोस 1380 प्रोसेसर पर चलेगा और इसमें 6जीबी रैम हो सकती है। गीकबेंच पर इसने सिंगल-कोर में 1004 और मल्टी-कोर में 2886 अंक हासिल किए हैं। फोन एंड्राइड 15 पर आधारित वन यूआई 7 के साथ आ सकता है, जिसमें कुछ उन्नत एआई फीचर्स भी देखने को मिल सकते हैं। इसके डिजाइन को लेकर कहा जा रहा है कि यह हल्का और आकर्षक होगा, जो खासतौर पर उन लोगों को पसंद आएगा जो कम कीमत में प्रीमियम लुक वाला फोन चाहते हैं। कीमत की बात करें तो गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत करीब रुपए 20,000 हो सकती है, जो इसके पिछले मॉडल गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत रुपए 19,999 के आसपास है।



नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 जल्द होगा लॉन्च



अगले महीने 1 जुलाई 2025 को हीरो मोटोकॉर्प कंपनी अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 लॉन्च करने जा रही है। यह स्कूटर खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो बजट फ्रेंडली विकल्प की तलाश में हैं। वीडा वीएक्स2 को बेट्टी-एस-ए-सर्विस मॉडल पर पेश किया जाएगा। इस मॉडल के तहत ग्राहकों को बैटरी खरीदने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे इसे किराए पर ले सकेंगे। इससे स्कूटर की शुरुआती कीमत काफी हद तक कम हो जाएगी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आम लोगों की पहुंच में आएगी। ग्राहकों को अपनी जरूरत के मुताबिक सव्यक्रियान प्लान चुनने की सुविधा मिलेगी। कंपनी की योजना ऐसे प्लान लाने की है जो डेली कम्यूटर, वीकेंड यूजर और ज्यादा दूरी तय करने वालों के लिए अलग-अलग विकल्प देंगे। वीडा वीएक्स2 असल में वीडा ड्रेड कॉन्सेप्ट पर आधारित है जिसे पहली बार ईआईसीएमए में पेश किया गया था। वीएक्स2 को हीरो की अब तक की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक स्कूटर माना जा रहा है। इसकी बुकिंग और डिलीवरी 1 जुलाई से शुरू हो सकती है। स्कूटर लॉन्च के साथ ही देश के कई शहरों में उपलब्ध कराई जाएगी। वीएक्स2 का सीधा मुकाबला बजाज वेतक, ओला एस1 एयर, एथर 450एस और टीवीएस आईएव्यूब जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होगा।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां) ।

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्युचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में 'इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी)' के 17वें म्युचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंटरैक्टिविटी की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्युचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस



पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्युचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है।

सेबी का लक्ष्य है कि म्युचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा

बढ़ाए। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्युचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही

पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारत का म्युचुअल फंड इंटरैक्टिविटी से बढ़ रहा है। इस समय इसका कुल एयूएम 72 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है और हर महीने एसआईएफ के जरिए 28,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई। विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षणों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉम्पिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।



उन्होंने लाजिस्टिक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही

हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

शिवजी की कृपा से वृषभ सहित अन्य राशियां बनेंगी भाग्यशाली

आज यानी 23 जून सोमवार है और आज चंद्रमा का संचार दिन रात अपनी उच्च राशि वृषभ में होने वाला है। इसके साथ ही आज सोमवार होने की वजह से ग्रहों में दिनभर चंद्रमा का ही प्रभाव रहने वाला है। अपनी उच्च राशि में विचरण करते हुए चंद्रमा के आगे और पीछे दोनों भाव में शुभ ग्रह विराजमान रहेंगे जिससे आज उभयचरी योग का अनुपम संयोग बनने वाला है। इसके साथ ही आज कृतिका नक्षत्र में धृतिमान योग का भी शुभ संयोग बनेगा। और तो और आज सोमवार होने की वजह से दिन के देवता भोलेनाथ होंगे। इसके साथ ही आज की तिथि भी शिवजी की ही समर्पित होगी जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संयोग रहेगा। आज सोमवार होने से सोम प्रदोष व्रत रखा जाएगा और आज मासिक शिवरात्रि का संयोग भी रहेगा। ऐसे में आज का दिन उभयचरी योग और शिवजी की कृपा से वृषभ सहित 5 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहेगा। इन राशियों की मनोकामनाएं पूरी होंगी और इनके परिवार में सुख शांति रहेगी।

वृषभ राशि – वृषभ राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन भोलेनाथ की कृपा से भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपको कार्यों में किस्मत का साथ मिलेगा जिससे आपके अटके हुए काम पूरे होते चले जाएंगे। इसके साथ ही आज आपके आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी। आप कार्यक्षेत्र में अपने पद और कर से कहीं बेहतर परिणाम देंगे जिससे आपको प्रशंसा का पात्र होंगे। इसके लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े हुए जातकों के लिए आज का दिन पद और प्रतिष्ठा में इजाफा देने वाला है। आप जिंदगी का भरपूर आनंद लेंगे। परिवार या करीबी मित्रों के साथ बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं। इसके साथ ही आप भावनाओं से ज्यादा व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए फैसले लेंगे जिससे आपके सफल होने के आसार अधिक रहेंगे। परिवार में सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ तालमेल



बना रहेगा।

उपाय : आज शिवलिंग पर दूध मिश्रित जल चढ़ाएं और शिवजी को मालपुष्प का प्रसाद अर्पित करें। माता पार्वती को लाल चुनरी चढ़ाएं। इससे आपके घर में सुख चैन बना रहेगा।

कर्क राशि – आज सोमवार को कर्क राशि के जातक सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले जाएंगे। आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और ईमानदारी से किए गए प्रयास अतिरिक्त लाभ देकर जाएंगे। आपकी आय में बढ़ोतरी होगी। अगर कोई सरकारी काम अटक रहा था तो आज के दिन वह रफ्तार पकड़ सकता है। इसके साथ ही अगर आप सरकारी प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज आपको कोई टेंडर आदि मिल सकता है। शासन और प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। सेना, पुलिस, सुरक्षा संबंधी कार्यों में जुटे जातक आज मनचाही सफलता पा सकते हैं। उच्च अधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आप कोई उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। कारोबार में किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार में सुख चैन बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रगाढ़ रहेंगे।

उपाय : आज रुद्राक्ष की माला से 108 बार ऊँ कमः शिवाय मंत्र का जप करें और शिव चालीसा का पाठ करें। इससे आपकी

मनोकामनाएं पूरी होंगी।

कन्या राशि– कन्या राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन उम्मीद से बेहतर रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम बनेंगे। अगर कहीं आपका धन अटका हुआ था तो वह अप्रत्याशित रूप से वापस मिल सकता है। किसी को लंबे समय से धन उधार दिया था तो उसके मिलने के चांस अधिक हैं। आज आप सुख सुविधाओं पर खर्च करने से परहेज नहीं करेंगे, इसके साथ ही आप आज अतिरिक्त स्रोत से लाभ अर्जित कर सकते हैं, जिससे आप आर्थिक रूप से संबल रहेंगे। कारोबार में आज लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा के दौरान आपको उच्च अधिकारियों से मिलने का अवसर मिलेगा, यात्रा आपके लिए लाभदायक रहने वाली है। परिवार में आज आपको पૈतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। पिता का सहयोग मिलेगा जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। परिवार में आज धार्मिक माहौल रहेगा। पूजा पाठ आदि करवा सकते हैं।

उपाय : शिवलिंग पर सफेद चंदन से ऊँ लिखें और कम से कम 21 बेल पत्र चढ़ाएं। इससे आपको शिवजी का विशेष रूप से आशीर्वाद प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि – वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शुभ और लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको पार्टनरशिप

में फायदा होगा। साझेदारी में किए गए काम आपको अतिरिक्त लाभ देकर जा सकते हैं। अगर आज आप कहीं अटके तो किसी करीबी की मदद ले सकते हैं इससे आपके काम फिर से रफ्तार पकड़ सकते हैं। आज आपको परिवार, कारोबार और नौकरी में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। अगर नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही आज आपको दोस्तों की मदद से कहीं से लाभ का सौदा हासिल हो सकता है। वैवाहिक जीवन अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी आपके दिल की बात बिना कहे ही समझ लेगा। प्रेम संबंधों में आज प्यार और दुलार दोनों रहेगा। आपको लव पार्टनर से सरप्राइज मिल सकता है जिससे आपकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा।

उपाय : आज शिवजी को प्रसन्न करने के लिए 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इसके साथ ही जरूरतमंदों को चावल का दान करें।

मकर राशि– मकर राशि वालों के लिए आज सोमवार का दिन मनोकामनाएं पूरी करने वाला रहेगा। आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। इसके साथ ही आज आपको बच्चों की तरफ से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। बच्चों की कोई उपलब्धि आपको गौरवान्वित कर सकती है। किसी काम को आप लंबे समय से पूरा करने के लिए प्रयासरत थे तो आज वह पूरा हो सकता है। इसके साथ ही पूर्व में किया गया निवेश आपको अतिरिक्त फायदा देकर जा सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन उम्मीद की किरण देकर जा सकता है। कारोबार में आज आपकी क्रिएटिव सोच आपको अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखेगी। इसके साथ ही आज आपको परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। खासकर माता पिता की मदद से आप अपने घरेलू चिंताओं से दूर रहेंगे।

उपाय : आज शिवलिंग पर दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल अर्पित करें। इसके साथ ही शिव-पार्वती के सामने घी का दीया जलाएं और उन्हें मूखा नारियल चढ़ाएं। इससे आपको शिवजी की कृपा मिलेगी।

भवन निर्माण करने से पहले भूमि की चारों दिशाओं को चिह्नित करना आवश्यक



गृह निर्माण से पूर्व भूमि की दिशा, दोषों की शुद्धि, सही खुदाई क्रम और वास्तु अनुसार पूजन बेहद जरूरी हैं, अन्यथा निर्माण में बाधाएं, आर्थिक तंगी और असफलता निश्चित है। गृह निर्माण कार्य कोई साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक शुभ, सूक्ष्म और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संचालित की जाने वाली क्रिया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जब भी भवन, घर या किसी भी प्रकार की संरचना का निर्माण किया जाना हो तो सबसे पहले भूमि की चारों दिशाओं को चिह्नित करना आवश्यक होता है। इसके बाद नींव की खुदाई करने से पहले यह निर्धारित किया जाना चाहिए कि किस दिशा से खुदाई आरंभ होगी। वास्तु नियमों के अनुसार, नींव की खुदाई का शुभारंभ आग्नेय कोण यानी दक्षिण पूर्व कोने से करना चाहिए, इसके बाद क्रमशः नैऋत्य कोण यानी दक्षिण पश्चिम कोने, वायव्य कोण यानी उत्तर पश्चिम कोने और अंत में ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व कोने में खुदाई होनी चाहिए। विशेष ध्यान देने योग्य बात यह है कि नैऋत्य कोण यानी दक्षिण-पश्चिम कोने से कभी भी खुदाई की शुरुआत नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे निर्माण कार्य में लगातार बाधाएं उत्पन्न होती हैं। ऐसा देखा गया है कि यदि खुदाई की शुरुआत नैऋत्य कोण से की जाए, तो अनेक प्रकार की समस्याएं आने लगती हैं, जैसे कि मजदूर समय पर नहीं आते, कार्य में देर हो जाती है।

हैं, सामग्री समय पर नहीं पहुंचती या कार्य लटक जाता है। भूमि खरीदने के बाद निर्माण आरंभ करने से पहले, उसे वास्तु के नियमों के अनुसार दोषमुक्त करना भी अति आवश्यक है। भूमि पर फैले अनावश्यक पत्थर, मलबा, गड्ढे, कंटीले पौधे और विशेष रूप से बबूल जैसे वृक्षों को हटाना चाहिए। बबूल के पेड़ विशेष रूप से वास्तु के लिए अशुभ माने गए हैं और इनके रहते हुए निर्माण कार्य में बाधाएं, आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव बना रहता है।

भूमि के ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व कोने या आग्नेय कोण यानी दक्षिण पूर्व कोने में यदि मलबे का ढेर है, तो उसे बिना हटाए निर्माण कार्य शुरू करना आर्थिक तंगी का कारण बन सकता है। इसी प्रकार यदि भूमि के मध्य भाग या नैऋत्य कोण में गड्ढा हो और उसे भरे बिना निर्माण कार्य आरंभ किया जाए, तो निर्माण आदि कार्य में गलतियां होती रहती हैं, जिससे धन की हानि होती है और कार्य रुक-रुक कर चलता है।

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, गृह निर्माण कार्य आरंभ करने से पहले भूमि पूजन करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। अपनी जन्म कुण्डली के अनुसार भूमि पूजन का शुभ मुहूर्त का चयन कर विधिवत भूमि पूजन करना चाहिए ताकि निर्माण कार्य न केवल बाधा रहित हो, बल्कि उसमें समृद्धि और शुभ फल की भी प्राप्ति हो।

कड़ी मेहनत के बाद भी धन नहीं बढ़ता हो तो करें वास्तु के इस नियम का पालन

वास्तु शास्त्र में धन के स्थान के बारे में वास्तुविदों में अलग-अलग मत है। कुबेर धन के स्वामी है, वास्तुविद्या में कुबेर का स्थान उत्तर दिशा को माना गया है। अनेक वास्तुविदों का मत है कि धन, तिजोरी रखने का यही सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है। अन्य कुछ वास्तुशास्त्रियों के अनुसार उत्तरी भाग में वजनी वस्तुएं नहीं रखी जानी चाहिए, इसलिए यहां तिजोरी रखना उचित नहीं है, उनके अनुसार तिजोरी या आलमारी का स्थान दक्षिण-पश्चिम कोना यानि नैऋत्य कोण है। कभी-कभी वास्तुशास्त्र की प्रारम्भिक पुस्तक पढ़ने वाला व्यक्ति असमंजस में पड़ जाता है कि इन दोनों मतों में से व्यक्ति किसे मानें। ज्ञानियों

का कहना है कि अलग-अलग मत होने पर मध्यमार्ग अपनाया ही तर्कसंगत रहता है। जब तक धन हमारे घर में नहीं आ जाता तब तक हमारा उस पर पूर्ण अधिकार नहीं होता। वह अनेक मंदों पर खर्च हो सकता है अथवा खो सकता है या चोरी भी हो सकती है, कमाया हुआ धन घर में आने के पश्चात ही हमारी संपत्ति बनता है। कमाने वाली जगह यानी कार्यालय अथवा दुकान में धन का रखा होना तथा सभी खर्चों को काटने के बाद शुद्ध धन घर पर लाकर रखने के कारण धन रखने की दो जगह हो जाती हैं। पहला जहां से धन को कमाया जाता है, जैसे दुकान या कार्यालय। दूसरा, जहां धन को रखा जाता है, जैसे घर।



दुकान या कार्यालय में धन रहते समय वह लेने-देने आदि में खर्च होता रहता है क्योंकि वहां आय के साथ-साथ व्यय भी होता है। इसलिए वहां धन पर व्यक्ति का पूर्ण अधिकार नहीं होता, वहां यह तय नहीं हो पाता कि जितना धन व्यक्ति ने कमाया है, उसमें से कितना शुद्ध धन उसका मुनाफा है, क्योंकि बाकी खर्चें शेष रहते हैं। जब सभी खर्च के बाद वह धन व्यक्ति के घर में आता है, तभी उस

पर उस व्यक्ति का पूर्ण अधिकार रहता है। क्या है मध्यमार्ग धन की ऊपर बताई गई दो स्थितियों को देखते हुए धन को रखने के स्थानों में भी अंतर माना गया है, यही इस विषय का मध्यमार्ग है। दुकान या कार्यालय, जहां हम धन का अर्जन करते हैं, वहां उसकी आय में वृद्धि और व्यय होता रहता है। दुकान या कार्यालय में तिजोरी का स्थान कुबेर स्थान अर्थात उत्तर होना चाहिए। घर में धन रखते समय हम दूसरे सिद्धांत का पालन करते हुए उसे दक्षिण-पश्चिमी कोण यानि नैऋत्य कोण में स्थापित तिजोरी या अलमारी में रखना चाहिए। इस प्रकार वास्तुशास्त्रियों के विभिन्न मत हैं।

मंदिर में बिना बताए ये दो पौधे लगाने से घर में माता लक्ष्मी का होगा वास!

हिंदू धर्म में हर जीव को आदर और सम्मान दिया गया है, चाहे वह पेड़ पौधे हो या जीव जंतु। इन सभी का मानव जीवन से जुड़ाव हिन्दू धर्म के शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कई पेड़ों को अति शुभ माना जाता है, तथा इनमें देवताओं के वास होने की बात कही जाती है। ऐसे में पेड़ों से जुड़े कई उपायों के बारे में शास्त्र और पुराण बातें करते हैं।

पेड़ पौधों की पूजा से लेकर उनकी सेवा और इन्हें रोपने तक, सभी से प्राप्त होने वाले पुण्य फलों का जिक्र पौराणिक कथाओं और शास्त्रों में मिलता है। इससे जुड़े कई उपाय भी हैं जो हमें लाभ पहुंचाते हैं। आज हम आपको जिस उपाय के बारे में बता रहे हैं, उसे करके आप कुछ ही दिनों



में धनवान हो जाएंगे। आपके घर में माता लक्ष्मी का वास होगा और विष्णु भगवान आप पर कृपा बनाकर रखेंगे।

धन प्राप्ति का गुप्त उपाय
आपको किसी भी मंदिर में शुक्ल पक्ष के समय तुलसी, केला या फिर शमी

का पौधा रोपना है। यह कार्य आप सूर्य उदय से थोड़ा पहले करेंगे तो अत्यंत लाभकारी होगा। ध्यान रहे, इस विषय में किसी से चर्चा ना करें, चुपचाप जाकर एक पौधे का रोपण कर दें।

अगर हो सके तो कभी कभी उसमें जाकर जल अर्पण करें। आप प्रतिदिन ऐसा कर पाए तो यह बहुत ही अच्छा होगा। ऐसा करने से आपके घर में धन की बरसात होगी और विष्णु जी की कृपा हमेशा आपके ऊपर बनी रहेगी।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग में शिव कृपा से धनवान बनेंगी निम्न राशियां

आज सर्वार्थ सिद्धि योग के शुभ प्रभाव और भगवान शिव के आशीर्वाद से वृषभ और सिंह सहित अन्य राशियों के लिए उन्नति के योग बने हैं। आपको धन संबंधी मामलों में लाभ होगा और कारोबार में बड़ी सफलता प्राप्त होने के योग बने हैं। आपका दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में अचानक से बड़ी मात्रा में मुनाफा होने से दिन खुशनुमा बीतेगा और परिवार के लोगों के साथ अपनी खुशी मनाएं।

मेष राशि: सम्मान से भरा होगा

मेष राशि वालों दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। मानसिक संबल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने धैर्य और कूटनीति से विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाएंगे। मंगल कुछ व्यर्थ के विवाद और खर्च का कारण बन सकता है, विशेषकर कानूनी या पारिवारिक मामलों में। संतान से जुड़ी समस्याएं थोड़ी चिंता में डाल सकती हैं। धन की दृष्टि से दोपहर बाद कोई पुराना रुका हुआ भुगतान मिल सकता है। बिजनेस में अटकी डील आगे बढ़ेगी। शेयर बाजार या किसी प्रकार के सट्टे से फिलहाल दूर रहें।

वृषभ राशि : भाग्य साथ दे रहा है

वृषभ राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है। राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पद या प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। धन की आवक सामान्य रहेगी, लेकिन नए अनुबंधों या व्यवसायिक सौदों के कारण लंबी अवधि में

बड़ा लाभ संभावित है। दोपहर बाद कुछ अप्रत्याशित खर्च आ सकते हैं, विशेषकर वाहन या परिवार से जुड़े खर्च। निवेश करने से पहले नियम व शर्तों को गहराई से समझें। संतान पक्ष से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है, जिससे मानसिक सुकून मिलेगा।

मिथुन राशि : धन प्राप्ति के द्वार खुलेंगे

मिथुन राशि के लोगों का दिन पेशानियों और चिंताओं वाला रहेगा। बुध की व्यग्रता के कारण आर्थिक निर्णयों में जल्दबाजी न करें। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना बन रही है, अतः सतर्क रहें। संतान की शिक्षा या प्रतियोगिता से जुड़ी सफलता प्रसन्नता दे सकती है। दोपहर बाद किसी लंबित सरकारी या कानूनी कार्य में सफलता मिल सकती है, जिससे धन प्राप्ति के द्वार खुलेंगे। कोई नया प्रॉजेक्ट हाथ लग सकता है, जो भविष्य में लाभकारी होगा।

कर्क राशि : निवेश के लिए दिन अनुकूल है

कर्क राशि वालों को लाभ होगा। धन और संपत्ति के क्षेत्र में शुभ संकेत दे रहा है। आजीविका के क्षेत्र में नई दिशा मिल सकती है। व्यवसायी वर्ग को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है, जबकि नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन या प्रशंसा का लाभ मिल सकता है। निवेश के लिए दिन अनुकूल है, विशेषकर कृषि या भूमि संबंधित क्षेत्रों में। प्रयत्नों से मेल-मुलाकात के चलते मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा लाभकारी सिद्ध हो सकती है।



सिंह राशि : आमदनी के नए स्रोत बनेंगे

सिंह राशि वालों को लाभ होगा। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे, विशेषकर डिजिटल या ऑनलाइन माध्यम से कार्य कर रहे लोगों को धन लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च शिक्षा में सफलता मिल सकती है। अधिक पैरिश्रम और नेत्र विकार का संकेत दे रही है, स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक दृष्टि से बड़े लेन-देन को टालें। व्यापार में लाभ के लिए अपने संचार कौशल का उपयोग करें। पार्टनरशिप में पारदर्शिता बनाए रखें। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

कन्या राशि : खर्च शुभ कार्यों पर होगा

कन्या राशि वालों का दिन करियर और व्यवसाय में विशेष सफलता का संकेत दे रहा है। बौद्धिक कार्यों से धन की प्राप्ति होगी। आपकी किसी पुरानी स्किल या ज्ञान का अब आर्थिक रूप से लाभ मिल सकता है। कोई केस या टैक्स से संबंधित कोई मामला आपके पक्ष में सुलझेगा। भूमि या वाहन खरीदने का विचार भी प्रबल हो सकता है। खर्च शुभ कार्यों पर होगा, जिससे कीर्ति भी बढ़ेगी। आपको अपने क्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी।

तुला राशि : संचित धन में वृद्धि के संकेत हैं

तुला राशि वालों के लिए दिन आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा। संचित धन में वृद्धि के संकेत हैं। पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा जिससे मानसिक शांति मिलेगी। पुराने कर्ज या लोन का कुछ हिस्सा चुकता कर पाएंगे। यदि किसी संपत्ति विवाद में फंसे हैं तो राहत मिल सकती है। व्यापार में नई योजनाओं का आरंभ लाभकारी होगा। शेयर या ट्रेडिंग से जुड़ा निवेश फिलहाल टालें। प्रेम संबंधों में भी खर्च हो सकता है। आपको पार्टनर से सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि : भाग्य साथ दे रहा है

वृश्चिक राशि वालों का भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए त्रिग्रही योग के कारण अनावश्यक यात्राएं या खर्च से बचना बुद्धिमान होगी। हालांकि कुछ पुराने निवेश से छोटा लाभ संभव है। व्यवसाय से जुड़े लोग रिटेल सेगमेंट में ध्यान दें, छोटी डीलस बड़े लाभ में बदल सकती हैं। मेडिकल खर्च या दवा पर धन खर्च होगा। संतान के साथ किसी महत्वपूर्ण निवेश पर विचार किया जा सकता है।

धनु राशि : आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें

धनु राशि वालों को भाग्य का साथ मिल रहा है। विरोधियों के बावजूद आज आपको अप्रत्याशित रूप से किसी योजना में सफलता और आर्थिक लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से निकटता के कारण कुछ रुके काम बन सकते हैं। पारिवारिक या ससुराल पक्ष से भी धन प्राप्त हो सकता है। दोपहर बाद कुछ आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, विशेषकर किसी रिश्तेदार से उधारी संबंधी बातों में। सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से नई पहचान और व्यावसायिक अवसर मिल सकते हैं।

मकर राशि : आर्थिक दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा

मकर राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा। नौकरी में स्थायित्व और व्यापार में वृद्धि के संकेत हैं। किसी पुराने क्लाइंट से दोबारा संपर्क होगा जो आर्थिक रूप से लाभदायक रहेगा। संतान की शिक्षा,

वाहन या संपत्ति से जुड़े खर्चों में वृद्धि संभव है, लेकिन ये खर्च भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अधीनस्थों का सहयोग आपको समय बचाने और कार्यों को सुगम बनाने में मदद करेगा। शेयर बाजार से लाभ हो सकता है, लेकिन सीमित निवेश करें।

कुंभ राशि : पुराना लेन-देन उभर सकता है

कुंभ राशि वालों के लिए खर्चों में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है, विशेषकर घरेलू वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स या वाहन से जुड़ी मरम्मत पर। कोई पुराना लेन-देन उभर सकता है। स्वास्थ्य से जुड़ा खर्च भी हो सकता है। किसी नए व्यवसाय या इनवेस्टमेंट में उतरने से पहले सलाह लें। करियर में परिवर्तन के संकेत हैं, जो शुरू में अस्थिरता देंगे लेकिन लंबे समय में लाभदायक होंगे। क्रेडिट कार्ड या उधारी से दूर रहें। आपके लिए तरकीब के योग बने हैं और परिवार के लोगों से हर प्रकार का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि : युवाओं को नए अवसर मिलेंगे

मीन राशि का दिन आर्थिक दृष्टि से मिला-जुला रहेगा। यदि आप बिजनेस में हैं, तो कोई पुराना ग्राहक फिर से आ सकता है। करियर की शुरुआत कर रहे युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में खर्च बढ़ेगा, पर यह संतोष भी देगा। यात्रा में धन की हानि या कोई सामान खोने की संभावना है, सतर्क रहें। यदि आज निवेश करना चाहें तो रिटल एस्टेट या म्यूचुअल फंड उचित रहेंगे।



तेरे नाम का लुक आखिर किससे था प्रेरित, सलमान खान ने किया खुलासा

ने टफिल्क्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीजन काफी चर्चा में है। इस नए सीजन के पहले एपिसोड में सलमान खान स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगे। इस वजह से यह एपिसोड टेलिकास्ट होने से पहले ही सुर्खियां बटोर रहा है। मजेदार बातचीत के दौरान सलमान खान ने खुलासा करते हुए कपिल को बताया कि उनकी फिल्म तेरे नाम का लुक असल में किससे प्रेरित था।

बता दें कि सलमान खान का तेरे नाम वाला लुक युवा लड़कों के बीच काफी पॉपुलर हुआ था। सलमान खान ने बताया कि उनका हेयरस्टाइल हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित था।



हेयरस्टाइल था। मुझे लगता था कि छोटे शहर के हीरो हमेशा लंबे बाल रखते हैं। पुराने जमाने के हीरो भी लंबे बाल रखते थे, मेरा यह लुक वहां से आया था। एपिसोड के दौरान सलमान

ने यह भी बताया कि आमिर खान की गौरी स्प्रैट के साथ नए रिश्ते की वजह क्या है। शो के निर्माताओं ने हाल ही में एक छोटा वीडियो रिलीज किया है, जिसमें कपिल, सलमान से कहते हैं, 'आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए। इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, 'आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते...। इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म प्यार किया तो डरना क्या का हिट गाना ओ ओ जाने जाना गाते हुए नजर आते हैं।

एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी
सोनम बाजवा बोलीं-

सबसे मुश्किल लेकिन खास रहा अनुभव



अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने कहा है कि यह फिल्म उनके लिए अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही है। सोनम ने फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में वह अपने को-स्टार हर्षवर्धन राणे के साथ सेट पर नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने डायरेक्टर मिलाप जावेरी के साथ कुछ बीटीएस पलों को भी शेयर किया।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, यकीन नहीं हो रहा कि मैं यह लिख रही हूँ कि 'एक दीवाने की दीवानियत' की शूटिंग पूरी हो गई है। यह मेरी अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही, लेकिन इसका अनुभव बहुत ही खास रहा। अपने पोस्ट में सोनम ने आगे कहा, मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूँ जो इस सफर का हिस्सा रहे। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं था। बता दें कि सोनम से पहले हर्षवर्धन राणे ने चंडीगढ़ में फिल्म की शूटिंग पूरी करने का जश्न मनाया था। उन्होंने टीम के साथ फिल्मकर जमकर आतिशबाजी की थी।

हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में खास पल की झलक दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आए। वीडियो में आतिशबाजी, हार्ट शेप गुब्बारे और गोल्डन कलर का बोर्ड दिखाई दिया, जिस पर लिखा था- 'एक दीवाने की दीवानियत' की शूटिंग पूरी हुई। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, 'रैपअप एक दीवाने की दीवानियत'... इस फिल्म पर काम करने वाले सभी दीवानों और दीवानियों का धन्यवाद। यह सब आपके बिना संभव नहीं था। यकीन नहीं हो रहा। बता दें कि पहले फिल्म का नाम सिर्फ 'दीवानियत' था, बाद में इसका नाम बदलकर 'एक दीवाने की दीवानियत' रख दिया गया है। इसके पीछे मेकर्स ने कारण बताया कि पुराना टाइटल फिल्म की कहानी और उसके नए अंदाज से मेल नहीं खा रहा था, इसलिए फिल्म का नाम बदला गया। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी पहले वाली कंपनी विक्रि फिल्मस से हटकर एक नई कंपनी प्ले डीएमएफ के हाथों में आई, जिसकी अगुवाई अंशुल गर्ग ने की। यह फिल्म मिलाप जावेरी ने डायरेक्ट की है और राघव शर्मा इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विद्या बालन ने तिरुमला मंदिर में किए भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन



मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपने परिवार के साथ तिरुपति स्थित प्रसिद्ध तिरुमला मंदिर में

इन परेशानियों के बाद विद्या ने टीवी विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम करना शुरू किया। 1998 के

भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए पहुंचीं। उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव से मंदिर में पूजा-अर्चना की और भगवान को पारंपरिक तरीके से हुंडी के जरिए प्रसाद चढ़ाया। साथ ही मंदिर के पुजारियों से आशीर्वाद भी लिया। मंदिर की ओर से विद्या बालन को शेषवस्त्र भेंट में दिया गया। विद्या बालन इस मौके पर पारंपरिक परिधान में नजर आईं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वह भक्ति के रंग में रंगी नजर आईं। मंदिर से बाहर निकलते ही वहां मौजूद भीड़ ने उन्हें घेर लिया। फैस उन्हें देखने के लिए उत्साहित थे और कई लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने की कोशिश करते दिखे।

विद्या बालन ने भी सभी का मुस्कुराकर हाथ हिलाते हुए प्यार और अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। विद्या बालन के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म 'चक्रम' से की थी, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल थे, लेकिन यह फिल्म पूरी नहीं हो पाई। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म 'रन' साइन की, लेकिन कुछ कारणों से उन्हें पहले शेड्यूल के बाद फिल्म से हटा दिया गया। उनकी दूसरी तमिल फिल्म 'मनासेल्लम' में भी उन्हें अभिनय का मौका नहीं मिला।



उन्होंने अच्छा काम किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'कहानी 3' में नजर आने वाली हैं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कब रिलीज होगी, इसके बारे में अभी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

हर दिन खुद के डर से कैसे लड़ती हैं समीरा रेड्डी ट्रिक का किया जिक्र

अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि योग ने उनकी जिंदगी को कैसे बैलेंस, ताकत और शांति दी है। समीरा ने बताया कि वह हर दिन खुद के डर से कैसे लड़ती हैं?

समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए योग को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मैं अपने डर से लड़ती हूँ और योग मुझे इसके लिए ताकत देता है। योग मुझे केवल ताकत नहीं बल्कि उम्मीद और जिंदगी में बैलेंस कैसे बनाएँ, ये भी बताता है। योग मेरे दिमाग को शांत करता है और मुझे अपनी भावनाओं को समझने में मदद करता है।

समीरा ने पोस्ट में आगे बताया, जब मैं किसी से बात नहीं कर पाती, तब योग मेरी बात सुनता है। यह शोर को कम करता है और मुझे मेरे जवाब ढूँढ़ने में मदद करता है। समीरा का मानना है कि योग एक ऐसा जरिया है, जो शरीर के साथ ही आत्मा के लिए भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, योग मेरी आत्मा और शरीर को ठीक करता है। दिमाग, दिल और अभ्यास सब आपस में जुड़े हैं।

उन्होंने अपने ट्रेनर्स का धन्यवाद देते हुए वीडियो में जैकी श्राफ के ट्रेंडिंग डायलॉग सांस ले लंबा भी जोड़ा।

46 वर्षीय एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर वर्कआउट के साथ ही मजेदार वीडियोज भी पोस्ट करती हैं, जिसमें उनकी मेहनत और अनुशासन के साथ ही मजाकिया अंदाज भी साफ दिखता है। इसके साथ ही वह फैस को भी अक्सर फिट और फाइन रहने का मंत्र देती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो समीरा रेड्डी आखिरी बार साल 2013 में आई कन्नड़ फिल्म 'वरधनायका' में नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन अय्यप्पा पी. शर्मा ने किया। इसमें समीरा रेड्डी के साथ सुदीप, चिरंजीवी सरजा और निकेश पटेल भी मुख्य भूमिका में हैं। समीरा रेड्डी 'मैंने दिल तुझको दिया', 'रैस', 'मुसाफिर' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।



कावेरी कपूर की जोशीली कविता शक्ति दर्द और मौन की कीमत को बयां करती है

कावेरी कपूर एक बेहतरीन गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं-यह तो हम जानते ही थे। लेकिन वह एक ऐसी कवयित्री भी हैं जिनके शब्द सीधे दिल में उतरते हैं? इसका हमें अंदाजा नहीं था। अपनी हालिया कविता में कावेरी ने दिल से लिखा-एक ऐसा दिल जो टूटा हुआ था। बॉलीवुड में 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से डेब्यू करने वाली कावेरी ने अपनी इस कविता में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने लिखा, टावर गिरा, शैतान चिल्लाया 'सत्ता', लोग ललकार उठे- ये दुनिया हमारी है। सच्चे, लयबद्ध, एवं जागने और उठने के आह्वान की तरह पढ़ते हुए, उन्होंने एक बेहद साधारण लेकिन भारी-भरकम कैप्शन के साथ पोस्ट किया: आज दुनिया की हालत देख कर दिल टूट जाता है। उनकी कविता इस प्रकार है, द टॉवर फेल, द डेविल येल 'पॉवर' एंड इन अ लाइफिंग बोल्ट यू कम टू टाउन टेनेड आवर चिल्ड्रेन एंड स्टोलेन आवर क्राउन। वी डिगेस्ट इट लाइक टर्पेन्टाइन, लॉक आवर डोर एंड टेक साइड। आई डेयर यू टू लुक मी इन द आइज़। आई डेयर यू टू सी, आई डेयर यू टू क्राई। आई डेयर यू टू बी सो अलाइव, फील द हीट ऑफ द वर्ल्ड ऑन फायर। आई डू लव दू सिंग ऑफ लव एंड लाइट, एंड डॉसिंग इन द रेन विद द लव ऑफ आवर लाइफ। आई प्रेय दू सिंग ऑफ लव एंड लाइट, बट द डेविल येलड पॉवर, सो नाउ इट्स टाइम टू राइड। वी डिगेस्ट इट लाइक टर्पेन्टाइन, ड्रिंक द पॉइज़न, कॉल इट लाइफ। बी ब्रेथ इनफ टू लुक ट्राइस, ईवें इफ वेनोम इज बर्निंग थोर आईज़। द टॉवर फेल, द डेविल येल्स 'पॉवर', द पीपल शाउट बैक, द वर्ल्ड इज आवर्स।

कावेरी ने उन भावनाओं को शब्दों में पिरोया है जो शायद बीते कुछ महीनों से



पूरी दुनिया सामूहिक रूप से महसूस कर रही है - उथल-पुथल, गुस्सा, संवेदनाएं और दुःख। कावेरी ने बहुत ही चतुराई से भ्रष्टाचार और सत्ता के बारे में एक मजबूत संदेश दिया, कि कैसे सत्ता मासूमियत को निगल जाती है, कैसे लोगों को मजबूर किया जाता है कि वे पक्ष चुनें, अपने दरवाजे बंद कर लें, एक-दूसरे को देखना बंद कर दें।

लेकिन इस आग और आक्रोश के बीच, उनकी कविता में एक उम्मीद की लौ भी है-प्रेम की, कोमलता की, बारिश में नाचने की। यही भावना का द्रढ़ है, जिसे कावेरी ने अपने शब्दों के माध्यम से बखूबी उकेरा है। यह केवल गुस्से का इजहार नहीं है, बल्कि इस बात का शोक है कि दुनिया किस ओर बढ़ रही है। पर इसी टूटे दिल में एक उम्मीद भी है-बेहतर जीवन की। कावेरी अपनी कविता का अंत निराशा से नहीं, बल्कि विद्रोह से करती हैं: लोग ललकार उठे - ये दुनिया हमारी है। यह याद दिलाने वाला संदेश है कि भले ही सत्ता चीखती रहे, लेकिन हम फिर भी एक साथ उठने का विकल्प चुन सकते हैं।

घायल के 35 साल पूरे, सनी देओल बोले

ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो

शानदार कहानी और दमदार डायलॉग्स से सजी साल 1990 में रिलीज हुई अभिनेता सनी देओल और मीनाक्षी शोषाद्वि स्टार आइकॉनिक फिल्म 'घायल' को रिलीज हुए 35 साल हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सनी देओल ने 'घायल' को खास फिल्म बताया।

फिल्म में सनी देओल लीड रोल में थे और उनके किरदार का नाम 'अजय मेहरा' था। सोशल मीडिया पर सनी देओल ने फिल्म से जुड़े वीडियो मोंटाज को शेयर किया। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म ने सनी को बॉलीवुड में एक दमदार अभिनेता के रूप में पेश करने में अहम भूमिका निभाई। सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के शानदार सीन्स

और डायलॉग्स का एक वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज 'घायल' के 35 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन, लगता है कि जैसे हमने 'अजय मेहरा' की कहानी और किरदार को कल ही गढ़ा हो। अजय का साहस, उसकी दृढ़ता और न्याय की भावना आज भी दर्शकों के दिलों में है। यह मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि दिल का एक टुकड़ा है। इसने मुझे चुनौती दी, प्रेरित किया और कहानी की ताकत से रूबरू कराया। घायल मेरे लिए बेहद खास फिल्म है। सनी देओल की पोस्ट पर फैस ने कमेंट्स कर उन्हें जमकर सराहा। 'घायल' राजकुमार संतोषी की पहली निर्देशित फिल्म थी। वहीं, फिल्म का निर्माण धर्मेन्द्र ने किया



था। इस फिल्म में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शोषाद्वि, राज बब्बर और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सनी देओल और मीनाक्षी शोषाद्वि के साथ अभिनेत्री मौसमी चटर्जी, अनू कपूर, ओम पुरी, शरत सक्सेना और सुदेश बेरी जैसे कलाकारों ने भी इसमें अहम किरदार निभाए। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और 1990 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें अभिनेता वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही वॉर ड्रामा 2026 में 23 जनवरी को रिलीज होगी।

कमजोर मानसून के कारण प्रदेश के 17 जिलों में बारिश की कमी

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले दो सप्ताह से तटीय और मलनाड जिलों में सक्रिय दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में कमजोर पड़ गया है, जिससे राज्य के 17 जिलों में बारिश की कमी हो गई है। राजधानी बेंगलूर समेत आंतरिक क्षेत्रों के कई जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है, जिससे मानसून सीजन की बुवाई की तैयारियों में बाधा आ रही है।

कोडागु समेत मलनाड में अच्छी बारिश के कारण नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और जलाशयों में पानी का प्रवाह काफी बढ़ गया है। पिछले दो दिनों में तटीय और मलनाड क्षेत्रों



में बारिश भी कम हुई है। इसके कारण जलाशयों में पानी का प्रवाह कम हो रहा है। कावेरी बेसिन के चारों जलाशयों में 80 फीसदी से अधिक पानी जमा हो चुका है और अगर बारिश का एक और दौर शुरू होता है, तो वे अधिकतम सीमा तक भर जाएंगे।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र के अनुसार, बेंगलूर शहर, बेंगलूर ग्रामीण, बेंगलूर दक्षिण, कोलार, चिकबल्लापुर, तुमकुरु, चित्रदुर्ग, चामराजनगर, मैसूर और मांड्या के दक्षिणी आंतरिक जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई। हालांकि, केवल दा-

वणगेरे जिले में सामान्य से अधिक बारिश हुई। 1 जून से शनिवार तक, दक्षिणी आंतरिक क्षेत्रों में सामान्य से 52.2 मिमी बारिश हुई, और केवल 36 मिमी बारिश हुई। 31 प्रतिशत बारिश कम हुई। बल्लारी, कोपल, कलबुर्गी, यादगीर, बीदर, बागलकोट और विजयपुरा के उत्तरी आंतरिक जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई, जबकि बाकी में सामान्य और सामान्य से अधिक बारिश हुई। उत्तरी आंतरिक क्षेत्रों में सामान्य से 71 मिमी बारिश हुई, और 72.5 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य बारिश से 2 प्रतिशत अधिक है।

मलनाड क्षेत्र में सामान्य से 8

प्रतिशत अधिक और तटीय क्षेत्र में सामान्य से 10 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। 1 जून से शनिवार तक राज्य की सामान्य वर्षा 130.2 मिमी रही, तथा कुल वर्षा 133.2 मिमी हुई, जो सामान्य से 2 प्रतिशत अधिक है। 1 जनवरी से शनिवार तक राज्य में सामान्य से 68 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। इसी प्रकार 1 मार्च से मई के अंत तक की अवधि में ग्री-मानसून वर्षा सामान्य से 149 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि मानसून समय से पहले शुरू हुआ और शुरुआत में मजबूत रहा, लेकिन पिछले दो सप्ताह से यह अंदरूनी इलाकों में कमजोर पड़ गया है।

मधु बंगारप्पा ने राघवेंद्र के आरोपों पर किया पलटवार

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने बी.वाई. राघवेंद्र के उस दावे पर पलटवार किया कि कांग्रेस नेता तबादलों के नाम पर सरकारी अधिकारियों को परेशान कर रहे हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए मधु बंगारप्पा ने कहा कि शिवमोग्गा जिले के प्रभारी मंत्री के तौर पर उन्होंने जो भी फैसले लिए, वे जिले के लोगों के हित में थे।

उन्होंने कहा मैं किसी राजनीतिक पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए फैसले नहीं लेता। फैसले लोगों के हित में होते हैं। मैं जानता हूँ कि भाजपा सांसद और उनके भाई तबादलों के नाम पर पैसा बनाने में लगे थे, जब उनके पिता मुख्यमंत्री थे। मधु बंगारप्पा ने कहा कि उनकी



सरकार शरावती परियोजना से विस्थापित हुए लोगों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने पार्टी

हाईकमान के निर्देशानुसार दोबारा सर्वेक्षण कराने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण तय समय में कराया जाएगा।

बी.आर. पाटिल ने सच बताया: विजयेंद्र

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेन्द्र ने रविवार को कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने राज्य की गंभीर स्थिति पर प्रकाश डाला है। जहां गरीबों को घर दिए जाने थे, वहां भी भ्रष्टाचार राज्य की जनता के सामने उजागर हुआ है। सत्ताधारी पार्टी के नेता वरिष्ठ नेता बी.आर. पाटिल को डरा धमका रहे हैं। कर्नाटक में जब से कांग्रेस की सरकार सत्ता में आई है, तब से यह गरीबों और किसानों के लिए अभिशाप बन गई है। सिद्धरामैया सरकार के बाद से कांग्रेस सरकार ने गरीबों को कोई लाभ नहीं दिया



है। जब येदियुरप्पा की सरकार पहले सत्ता में थी, तब गरीबों के लिए कई योजनाएं दी गई थीं, लेकिन सभी योजनाएं भूल गई हैं। इस सरकार में कोई योजना नहीं है। कहीं न कहीं, राज्य प्रायोजित

भ्रष्टाचार, राज्य सरकार खुद भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है। यह सब बी.आर. पाटिल के बयान से पता चलता है। उन्होंने कहा कि हम, भाजपा पार्टी, सड़कों पर उतरेंगे और लड़ेंगे।

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो। श्रम मंत्री और धारवाड़ जिले के प्रभारी संतोष लाड ने कहा कि एहतियात के तौर पर गांवों में पीने के पानी के स्रोत तालाबों के लिए रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। वे धारवाड़ जिले के कुंदगोल तालुक के यारिनारायणपुर गांव में तालाब में डूबे जुड़वा बच्चों के परिवार से मिलने और उन्हें सांत्वना देने के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यारिनारायणपुर तालाब के लिए भी रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। शरीफसाब चंधुखानवर के जुड़वा बच्चे मुजम्मिल और मुशीर 19 जून को गांव के तालाब में डूब गए थे। बरसात के मौसम में तालाब भर जाते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि लोगों को उनके पास जाने से



रोकने के लिए पर्याप्त एहतियाती उपाय किए जाएं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को पहले ही स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं और

लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए भी कदम उठाए जाएंगे। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यारिनारायणपुर में तालाब के विकास के लिए 50

लाख रुपये का अनुदान दिया गया था। निवारक उपायों के बावजूद, बच्चे तालाब के बांध पर चले गए, जिसके परिणामस्वरूप यह

दुर्घटना हुई। उन्होंने कहा कि केवल रिटेनिंग दीवारें ही ऐसी दुर्घटनाओं को नहीं रोक सकतीं, क्योंकि लोगों को भी सतर्क रहने की आवश्यकता है। मंत्री ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए गांव में तालाब से सटे आंगनवाड़ी केंद्र को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। लाड ने संतोष लाड फाउंडेशन की ओर से 4 लाख रुपये का चेक सौंपा और कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री से मुख्यमंत्री राहत कोष से परिवार को मुआवजा जारी करने का अनुरोध करेंगे। मंत्री के साथ विधायक एम.आर. पाटिल, उपायुक्त दिव्या प्रभु जी.आर.जे., जिला परिषद के सीईओ भुवनेश पाटिल और अन्य अधिकारी मौजूद थे।

योग से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में होता है सुधार

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय आयुष मंत्रालय, राष्ट्रीय आयुष मिशन, आयुष विभाग, जिला प्रशासन, जिला पंचायत, जिला आयुष विभाग और बल्लारी की सभी योग संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को बल्लारी में एक धरती, एक स्वास्थ्य योग के नारे के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. बाबू जगजीवनराम चमड़ा उद्योग विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष मुंडरगी नागराज, महानगर पालिका के मेयर मुल्लंगी नंदीश, जिला गारंटी योजना कार्यान्वयन समिति प्राधिकरण के अध्यक्ष के.ई. चिदानंदप्पा, जिला कलेक्टर प्रशांतकुमार मिश्रा, जिला पंचायत के सीईओ मोहम्मद हैरिस सुमैर, जिले की विभिन्न योग संस्थाओं, स्कूली बच्चों और आम लोगों ने योग का अभ्यास किया।

योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। प्रतिदिन योग करना हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा है।

बताया गया कि योग करने से कई बीमारियां हमारे पास नहीं आती हैं। कुरेकुप्पे



एसआरके योग संस्थान के बच्चों ने विशेष एवं अद्भुत योगासन को प्रदर्शन किया। इस अवसर पर 21 योग साधकों को सम्मानित किया गया। योग के प्रति उत्साही लोगों को टी-शर्ट, टोपी एवं औषधीय पौधे वितरित किए गए। योग शिक्षक एवं जेएसडब्ल्यू रिफ्रेक्टरीज के उपाध्यक्ष गणपति प्रसाद एम.

ने बल्लारी स्थित विजयनगर श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का उद्घाटन किया और कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं है। यह स्वास्थ्य, शरीर की समरसता, विचारों एवं शरीर में क्रियाओं के बीच संतुलन, संयम एवं एकप्रता को बढ़ावा देता है।

अवैध खनन को लेकर केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी पर पलटवार

सीएम रहते हुए इस मामले को कैबिनेट की बैठक में लाकर कार्रवाई क्यों नहीं की: परमेश्वर

कोपल/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी अब अवैध खनन को लेकर आरोप लगा रहे हैं। लेकिन जब वे पिछले मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने इस मामले को कैबिनेट की बैठक में लाकर कार्रवाई क्यों नहीं की। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने कहा कि कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर बताया था कि सरकारी खजाने को 1.5 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है और इसकी भरपाई के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। पिछली सरकारों ने अवैध खनन के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की। 2013 में जब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री थे, तब एच.के. पाटिल के नेतृत्व में कैबिनेट सब-कमेटी बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में सत्ता



में आए कुमारस्वामी कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई कर सकते थे। कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार बनी थी। उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री रहते हुए कुमारस्वामी ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए इस मामले को कैबिनेट में लाया होता, तो हम इसका विरोध नहीं करते। अब हमारी सरकार ने इस पर ध्यान दिया है। सैकड़ों मामलों हैं। हम तत्काल कार्रवाई

नहीं कर सकते। हमें इस पर कैबिनेट में चर्चा करनी होगी और उचित निर्णय लेना होगा। कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल के आरोप गंभीर नहीं हैं। यदि कोई हाउसिंग प्रोजेक्ट के घरों के लिए रिश्त मांगता है, तो उसके खिलाफ शिकायत दर्ज की जा सकती है। उसके बाद हम उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने संबंधित मंत्रियों को इस मुद्दे पर चर्चा करने और समस्या का समाधान करने

की सलाह दी है। पीएसआई घोटेले को हुए कई साल हो गए हैं। तब से हम एक भी पीएसआई पद पर भर्ती नहीं कर पाए हैं। एक हजार रिक्तियां हैं। पिछले 2 महीनों में 500 पदों के लिए भर्ती की गई है। उम्मीदवारों का प्रशिक्षण चल रहा है। वे जल्द ही ड्यूटी पर रिपोर्ट करेंगे। घोटेले में शामिल 470 से अधिक पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है और वैधता प्रमाण पत्र प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर नियुक्ति आदेश जारी कर दिए जाएंगे। हमने नशे की समस्या को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा हमने पुलिस को हर हाल में स्वतंत्र रूप से काम करने की अनुमति दी है। हम किसी पर दबाव नहीं डालेंगे। अपराधों पर नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

दलित वकील पर हमला करने और गाली-गलौज करने के आरोप में दो गिरफ्तार

बेंगलूर/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने शनिवार को यादगीर जिले के शोरापुर तालुक के नागराल गांव में एक दलित वकील पर हमला करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, दलित वकील दुर्गाप्पा होसानी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद उन्होंने मलैया हुल्कल और अर्जुन दिवाडी को गिरफ्तार किया। दुर्गाप्पा होसानी ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और उनका अपमान किया। शिकायतकर्ता ने आगे कहा कि उन्होंने वकील को बचाने की कोशिश करने वाले एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ और लोगों ने तत्काल कार्रवाई की मांग की। शोरापुर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया।

रिश्तखोरी के आरोप में एमसीसी के दो अधिकारी गिरफ्तार

मैसूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकायुक्त पुलिस ने मैसूर सिटी कॉरप-रेशन (एमसीसी) के दो अधिकारियों को ई-स्वाधु संपत्ति स्वामित्व दस्तावेजों के लिए एक शिकायतकर्ता के आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए रिश्त लेते हुए रों हाथों पकड़ा। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक उदेश टी.जे. के एक बयान में कहा गया है कि शिकायतकर्ता पुलिस के सामने पेश हुआ और कथित तौर पर कहा कि राजस्व अधिकारी एम.एन. नंदीश और एमसीसी के जोन 4 के बिल कलेक्टर रजाक उसके ई-स्वाधु आवेदन पर कार्रवाई करने के लिए 25,000 रुपये की रिश्त मांग रहे थे।

बुजुर्ग महिला की संदिग्ध मौत की पुष्टि हत्या के रूप में हुई, बेटा गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले में एक चौकाने वाले घटनाक्रम में, एक बुजुर्ग महिला पद्याबाई की मौत, जिसे शुरू में स्वाभाविक माना जा रहा था, की हत्या के मामले में पुष्टि की गई है। उनके बेटे ईशा नायक (26) को वित्तीय और घरेलू विवादों के चलते कथित तौर पर गला घोटकर उनकी हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। यह घटना 19 जून की सुबह तब प्रकाश में आई, जब एक रिश्तेदार शिल्पा को आरोपी ने बताया कि पद्याबाई बिस्तर पर बेहोश पड़ी हैं। उन्हें अज्रकाडु के जिला सरकारी अस्पताल ले



जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, उनकी गर्दन पर लाल निशानों ने गड़बड़ी का संदेह पैदा किया। अज्रकाडु के जिला सरकारी अस्पताल के

बाद, मणिपाल पुलिस ने एक अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट (यूडीआर) दर्ज की। मणिपाल के कस्तरूबा अस्पताल के फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग में पोस्टमार्टम किया गया।

21 जून को फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की, जिसमें पुष्टि की गई कि पद्याबाई की मौत हत्या की प्रकृति की थी, जिसमें मृत्यु का समय 18 जून की रात 9:22 बजे से 19 जून की सुबह 9:45 बजे के बीच होने का अनुमान लगाया गया। रिपोर्ट के आधार पर मणिपाल पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि ईशा नायक ने कथित तौर पर वित्तीय मुद्दों और चल रहे पारिवारिक विवादों के कारण अपनी मां की हत्या की थी। उसे हिंसात्मक में ले लिया गया है। आगे की जांच जारी है।